आई.एस.ओ.9001:2000 अवार्ड प्राप्त

यश भारत

नये जमाने के साथ ...

● वर्ष- 17 अंक 41- ● जबलपुर ● मंगलवार, 14 मार्च, 2023 ● मूल्य- 2 रुपए ● पृष्ठ-8 ● फाल्गुन शुक्ल पक्ष 7 ● विक्रम संवत् 2079 शके 1935

मोदी को टेढ़ी नजर से देखा तो आंखें निकाल लेंगे

बीजेपी विधायक दिलावर बोले- दोबारा कहा तो सरेआम चौराहे पर निपटेंगे

कोटा एजेंसी। राजस्थान के प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर दिए गए बयान पर राजनीति गरमा गई है। रंधावा के बयान के बाद बीजेपी के नेताओ ने पारा गरमा गया है। बीजेपी के प्रदेश महामंत्री व रामगंजमंडी से विधायक मदन दिलावर ने तो विवादित बयान जारी किया है। दिलावर ने कहा कि गुंडागर्दी करके दोबारा, मोदी की हत्या करने की बात कही तो सरेआम चौराहे पर निपटेंगे। इतना ही नहीं दिलावर ने कांग्रेस प्रभारी को गली का गुंडा तक कह डाला। दिलावर ने वीडियो बयान जारी कर कहा कि कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी रंधावा, कांग्रेसियों को सीख दे रहे हैं। मोदी को खत्म करने की बात करो, मोदी को खत्म करो। यानी मोदी की हत्या कर दो।

मिस्टर रंधावा यदि तुम जैसे गली के गुंडों ने मोदी जी की तरफ टेढ़ी नजर से भी देखा तो आंखें निकाल लेंगे। समझते क्या हो अपने आपको। ऐसे गली के गुंडे बहुत घूमते हैं। जो कहते हैं मोदी को खत्म कर दो, मोदी की हत्या कर दो। तुम जैसे गुंडे राजस्थान छोड़ कर भाग जाएंगे। यदि तुम में थोड़ी भी समझ हो तो राजस्थान छोड़ देना। अगर तुमने गुंडागर्दी करके दोबारा मोदी की हत्या करने की बात कही, तो सरेआम चौराहे पर निपटेंगे। आपको बता दें कांग्रेस प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उद्योगपति गौतम अडाणी पर निशाना साधते हुए उनकी तुलना ईस्ट इंडिया कंपनी से कर दी। रंधावा ने पीएम मोदी पर कई बड़े आरोप लगाए। उन्होंने बड़ा आरोप लगाते हुए कहा कि कहीं चुनाव लड़ने के लिए मोदी ने पुलवामा कांड तो नहीं करवाया? वहीं, नरेंद्र मोदी को बेईमान भी कह डाला। रंधावा ने कांग्रेसियों को सीख देते हुए कहा था कि अपनी लड़ाई खत्म करें। मोदी-बीजेपी को खत्म करने की बात करिए। अगर मोदी खत्म हो गया तो देश बच जाएगा। अगर मोदी रहा तो देश बर्बाद हो जाएगा। मोदी देशभक्ति की बात करते हैं। उन्हें पता ही नहीं कि देशभक्ति होती क्या है?

पापुआ न्यू गिनी में भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए

पोर्ट मोरेस्बी, एजेंसी। दक्षिण पश्चिम प्रशांत महासागर क्षेत्र में द्वीपों का एक समूह पापुआ न्यू गिनी के मडांग में मंगलवार को भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 6.3 मापी गयी। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने यह जानकारी दी। पापुआ न्यू गिनी इंडोनेशिया के समीप प्रशांत महासागर क्षेत्र में एक स्वतंत्र राष्ट्र है जो दक्षिण पश्चिम प्रशांत महासागर क्षेत्र में द्वीपों का एक समूह है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार भूकंप का 5.43 डिग्री दक्षिण अक्षांश और 146.83 डिग्री पूर्वी देशांतर पर सतह से 221.58 किलोमीटर की गहराई पर स्थित था।

इंदौर में खनिज अधिकारी के यहां लोकायुक्त का एक साथ चार जगह छापा

आय से अधिक संपत्ति का मामला

■ इंदौर, यशभारत।

इंदौर में मंगलवार तड़के माइनिंग आफिसर के बंगले पर लोकायुक्त की कार्रवाई जारी है। देवास में पदस्थ इस अधिकारी पर आय से अधिक संपत्ति का मामला दर्ज किया गया है।

1991 में द्वितीय श्रेणी अधिकारी के तौर पर पदस्थ हुए थे

खनीज अधिकारी का नाम एमके खताड़िया है और वह 1991 में द्वितीय श्रेणी अधिकारी के तौर पर पदस्थ हुए थे। वह इंदौर, देवास, धार, उज्जैन में पदस्थ रह चुके हैं। उनके तुलसी नगर के घर के साथ ही चार जगहों पर कार्रवाई जारी है। टीम तड़के चार बजे उनके बंगले पर पहुंच गई थी। इनके पास कई लक्जरी गाड़ियों के साथ संपत्ति आंकी गई हैं। अधिकारी ने अपने भाई के नाम से भी संपत्ति खरीदी है। इंदौर के पास पीथमपुर में भी उनकी कोई कंपनी बताई जा रही है। तुलसीनगर, उज्जैन सहित क्रेशर प्लांट देवगुराड़िया में हुई छापे मार कार्रवाई जारी है।

जम्मू-कश्मीर में NIA की कई जगहों पर छापेमारी

आतंकी फंडिंग के खिलाफ एक्शन

■ नई दिल्ली, एजेंसी।

एनआईए की टीम श्रीनगर, शोपियां, पुलवामा, अनंतनाग और कुलगाम सहित कश्मीर के कई हिस्सों में छापेमारी कर रही है. सूत्रों के अनुसार छापे आतंकी फंडिंग और अन्य आतंकवादी गतिविधियों के मामलों से संबंधित हैं. सूत्रों के मुताबिक, रेड के दौरान जमात-ए-इस्लामी से जुड़े अधिकांश लोगों के घरों को सर्च किया जा रहा है. जानकारी के मुताबिक, एनआईए की टीम ने शोपियां जिले के वाची एरिया में रेड की है. इसके साथ ही पुलवामा जिले के नेहमा, लिट्टर और कुलगाम जिले के फेसल इलाके में रेड चल रही है. एनआईए की एक टीम अनंतनाग के अचवल जिले में भी पहुंची है, जहां रेड अभी शुरू होनी है. आसिया अंद्राबी के घर की भी तलाशी इससे पहले सुबह तड़के श्रीनगर में महिला अलगाववादी आसिया अंद्राबी के घर की भी तलाशी ली गई थी.

आसिया इस समय जेल में है. उसका घर 2019 में एनआईए ने अटैच कर दिया था. एक दिन पहले सोमवार (13 मार्च) को आईएसआईएस केरल मॉड्यूल मामले में एनआईए ने श्रीनगर में तलाशी अभियान चलाया था. एएनआई के मुताबिक, एनआईए अधिकारियों ने तलाशी के दौरान डिजिटल डिवाइस जब्त किए हैं. छापेमारी श्रीनगर के करफली मोहल्ला में एक उज़ैर अजहर भट के घर पर की गई. भट पर साजिश में शामिल होने का शक है।

दिल्ली में घर के बाहर टहल रही महिला जज के साथ लूट

बैग छीनने के बाद लुटेरों ने दिया धक्का

■ नई दिल्ली, एजेंसी।

दिल्ली में महिला जज के साथ लूट का मामला सामने आया है. महिला जज अपने बेटे के साथ घर के बाहर टहल रही थीं. बाइक सवार दो लुटेरों ने महिला जज का बैग छीनने के बाद उन्हें धक्का दे दिया. इससे उनके सिर पर भी चोट आई है. पुलिस ने इस मामले में दो लुटेरों को गिरफ्तार किया है. मामला 6 मार्च का है. महिला जज रात 10 बजे अपने बेटे के साथ गुलाबी बाग के DA फ्लैट्स के बाहर टहल रही थीं. तभी बाइक सवार दो युवक आए और उन्होंने महिला जज रचना तिवारी का बैग छीन लिया और उन्हें धक्का दे दिया. इससे महिला जज सड़क पर गिर गईं, इससे उनके सिर पर चोट आई है. जज के बेटे ने इसके बाद अपने पिता को जानकारी दी. इसके बाद महिला को

अस्पताल ले जाया गया. बताया जा रहा है कि जज के बैग में लगभग 8-10 हजार कैश और एटीएम और कुछ डाक्यूमेंट्स भी थे. मामला महिला जज से जुड़ा था, ऐसे में पुलिस ने तुरंत मामला दर्ज कर जांच शुरू की. जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज के आधार पर बाइक की पहचान की. इसके बाद पुलिस आरोपियों तक पहुंची. पुलिस ने इस मामले में दिलशाद और राहुल को गिरफ्तार किया है. पुलिस के मुताबिक, दिलशाद एक शातिर अपराधी है. उस पर 10 मामले दर्ज हैं. वहीं, राहुल पर अब तक कोई मामला दर्ज नहीं था।

संसद के दोनों सदनों में आज भी हंगामा

राहुल के बयान पर BJP और विपक्ष आमने-सामने

■ नई दिल्ली, एजेंसी।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी द्वारा भारत के लोकतंत्र को लेकर लंदन में दिए गए बयान पर सोमवार को लोकसभा और राज्यसभा में भारी हंगामा हुआ था। संसद के दोनों सदनों में आज भी इसी मुद्दे को लोकर जबरदस्त हंगामा हो रहा है और लोकसभा की कार्यवाही को 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई है। दरअसल, बीजेपी जहां राहुल गांधी के लंदन में दिये गये बयान को लेकर माफी की मांग पर अड़ी है, वहीं कांग्रेस अडानी पर हिंडनबर्ग की रिपोर्ट की जेपीसी जांच की मांग कर रही है।

आगे की रणनीति बना रही कांग्रेस

कांग्रेस मंगलवार विपक्षी दलों के साथ बैठक करके आगे की रणनीति तैयार करेगी। राज्यसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के चैंबर में आज सुबह विपक्षी दलों की बैठक हुई, और लगभग तभी तय हो गया था कि संसद में हंगामा जरूर होगा। बता दें कि राहुल गांधी के बयान पर बीजेपी हमलावर है तो कांग्रेस डिफेंसिव दिख रही है। सूत्रों के मुताबिक, विपक्ष की दूसरी पार्टियां भी आधे-अधूरे मन से इस मुद्दे पर कांग्रेस का साथ दे रही हैं, ऐसे में आने वाले समय में दूसरे विपक्षी दलों की क्या रणनीति होती है, यह देखने वाली बात होगी।

राजनाथ सिंह ने साधा राहुल पर निशाना

लोकसभा में रक्षा मंत्री एवं सदन के उपनेता राजनाथ सिंह ने राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, 'राहुल गांधी, जो इस सदन के सदस्य हैं, ने लंदन में जाकर भारत को बदनाम करने की कोशिश की है।' उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने कहा है कि भारत में लोकतंत्र पूरी तरह से तहस नहस हो गया है और विदेशी ताकतों को आकर लोकतंत्र को बचाना चाहिए। उन्होंने कहा, 'पूरे सदन को उनके इस व्यवहार की निंदा करनी चाहिए और आपके (अध्यक्ष के) द्वारा यह निर्देश दिया जाना चाहिए कि संसद के फोरम पर वे क्षमा याचना करें।

MP विधानसभा बजट सत्र: BBC डॉक्यूमेंट्री के खिलाफ निंदा प्रस्ताव पर कांग्रेस का वॉकआउट

■ भोपाल, यशभारत।

मध्यप्रदेश विधानसभा के बजट सत्र की आज की कार्यवाही शुरू होते ही कांग्रेस ने सदन से वॉकआउट कर दिया। कांग्रेस का कहना है, BBC की डॉक्यूमेंट्री के खिलाफ सदन में नियम विरुद्ध तरीके से निंदा प्रस्ताव लाया गया है। नेता प्रतिपक्ष डॉ. गोविंद सिंह ने कहा, ऐसा कहा गया कि सर्वसम्मति से यह प्रस्ताव पारित हुआ, लेकिन मैंने खड़े होकर उसी समय इस प्रस्ताव का विरोध किया था। शून्यकाल में कभी भी कोई संकल्प नहीं लाया जा सकता। कार्य मंत्रणा समिति में भी इसकी कोई चर्चा नहीं हुई थी। विधानसभा के अध्यक्ष नियम विरुद्ध सदन की कार्यवाही संचालित कर रहे हैं। मूकदर्शक बने हुए हैं। सोमवार को सदन में शून्यकाल के दौरान BBC की डॉक्यूमेंट्री इंडिया- द मोदी क्वेश्चन के खिलाफ अशासकीय संकल्प (निंदा) प्रस्ताव पास हुआ।सदन की कार्यवाही शुरू होते ही नेता प्रतिपक्ष डॉ. गोविंद सिंह बोले- BBC डॉक्यूमेंट्री के खिलाफ प्रस्ताव नियम के तहत

नहीं लाया गया। नेता प्रतिपक्ष ने कहा- मैं इसका विरोध करता हूं। यह परंपरा लोकतांत्रिक नियमों के तहत नहीं। सत्ता पक्ष लोकतंत्र की धज्जियां उड़ा रहा है। संसदीय कार्यमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने कहा- प्रस्ताव जब पास हो रहा था, तब कमलनाथ को छोड़कर अन्य कांग्रेस के सदस्य मौजूद थे। सज्जन सिंह वर्मा बोले- अध्यक्ष महोदय, नियम प्रक्रिया के तहत सदन नहीं चल रहा है। नियम प्रक्रिया वाली किताब फेंक रहे हैं। नरोत्तम मिश्रा बोले- यह हमारा देश का विरोध कर रहे हैं। बहस के बाद कांग्रेस सदस्यों ने सदन से वॉकआउट कर दिया।

गुजरात पहुंचा एच3एन2 संक्रमण, वड़ोदरा में महिला की मौत, देश में तीसरा मामला

■ नई दिल्ली, एजेंसी।

भारत में एच3एन2 इंफ्लुएंजा का खतरा बढ़ता जा रहा है। हरियाणा और कर्नाटक के बाद अब गुजरात में मरीज की मौत की सूचना है। जानकारी के मुताबिक, इस वायरस के कारण गुजरात के वडोदरा में 58 वर्षीय महिला की मौत हो गई है। सैंपल जांच के लिए पुणे लैब भेजे जाएंगे। यह वायरस स्वाइन फ्लू का म्यूटेटेड वायरस है, जिससे देश में अब तक 3 लोगों की जान जा चुकी है।

दिल्ली के अस्पतालों में बढ़ रहे मरीज

इस बीच, राजधानी दिल्ली से खबर है कि यहां के अस्पतालों के आईसीयू मे मरीज बढ़ने लगे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, दिल्ली के अस्पतालों में कथित तौर पर एच3एन2 इन्फ्लूएंजा रोगियों के आईसीयू में भर्ती होने की संख्या में वृद्धि देखी गई। इनमें से ज्यादातर बीमार और 75 वर्ष से अधिक उम्र के हैं। डॉक्टरों ने दिल्ली में लोगों को मास्क लगाने की सलाह दी है क्योंकि इस वायरस के कारण लंबे समय तक लक्षणों के साथ गंभीर फ्लू की आशंका है। चैरिटी अस्पतालों से मेडिकल कालेज खोलने का अनुरोध इस बीच, स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने देशभर के प्रतिष्ठित चैरिटी अस्पतालों से अनुरोध किया है कि वे अपना खुद का मेडिकल कालेज खोलें, ताकि छात्रों को कम खर्चे में मेडिकल शिक्षा उपलब्ध कराई जा सके। मांडविया ने हाल ही में लगभग 62 प्रसिद्ध चैरिटी अस्पतालों के साथ बैठक की, जिन्होंने मेडिकल शिक्षा देने का अपना संस्थान नहीं खोला है।

भोपाल गैस कांड पीड़ितों को नहीं मिलेगा अतिरिक्त मुआवजा, सुप्रीम कोर्ट में याचिका खारिज

■ भोपाल, यशभारत।

भोपाल गैस त्रासदी पीड़ितों को और मुआवजा नहीं मिलेगा। सुप्रीम कोर्ट ने 1984 की इस त्रासदी के पीड़ितों के लिए यूनियन कार्बाइड कारपोरेशन (यूसीसी) की उत्तराधिकारी फर्मों से 7,400 करोड़ रुपए के अतिरिक्त मुआवजे की मांग को लेकर केंद्र द्वारा दायर क्यूरेटिव याचिका पर मंगलवार को अपना फैसला सुना दिया। सर्वोच्च अदालत ने याचिका खारिज कर दी। इससे पहले यूसीसी की उत्तराधिकारी फर्मों ने शीर्ष कोर्ट में कहा था कि भारत सरकार ने 1989 में मामले के निपटारे के समय कभी भी यह सुझाव नहीं दिया कि दिया गया मुआवजा अपर्याप्त था। फर्मों के वकील ने इस बात पर जोर दिया था कि 1989 के बाद से रुपए का अवमूल्यन भोपाल गैस त्रासदी के पीड़ितों के लिए अब मुआवजे की मांग का आधार नहीं बन सकता है।

राज्यसभा सांसद के सवाल पर विमानन मंत्री ने संसद में दिया जवाब

मध्यप्रदेश में अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा विकसित करने अभी तक नहीं सामने आया कोई प्रस्ताव

■ नई दिल्ली, एजेंसी।

राज्यसभा में कांग्रेस सांसद विवेक कृष्ण तन्खा ने भारत सरकार के विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया से सवाल किए हैं कि मध्यप्रदेश की आने वाली 21वीं सदी कैसी रहेगी? क्या मध्यप्रदेश राज्य में कभी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा बन पाएगा, इसके लिए भारत सरकार कोई योजना बना रही है क्या, क्योंकि इसकी मांग अब कई गुना बढ़ गई है। जिस पर संसद में सरकार के विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने जवाब दिया है कि भारत सरकार को अब तक ग्रीन फील्ड हवाई अड्डा नीति के अनुसार मप्र में अंतर्राष्ट्रीय ग्रीनफील्ड हवाई अड्डा विकसित किए जाने का कोई प्रस्ताव प्राप्त नहीं हुआ है। भारत सरकार ने ग्रीन फील्ड हवाई अड्डा नीति 2008 तैयार की है जिसमें देश भर में ग्रीनफील्ड हवाई अडडों के निर्माण से संबंधित विस्तृत दिशा निर्देश, प्रकियाएं और कदमों का विवरण दिया गया है। ग्रीनफील्ड हवाई अड्डा नीति के अंतर्गत ग्रीन फील्ड हवाई अड्डे की स्थापना के इच्छुक परियोजना प्रस्तावक ,हवाई अड्डा विकासक और संबंधित राज्य सरकार को निर्धारित प्रारूप में अपना प्रस्ताव, नगर विमानन मंत्रालय को, दो चरणों की अनुमोदन प्रक्रिया अर्थात स्थल अनापत्ति, उसके बाद सैद्धांतिक अनुमोदन प्राप्त करने के लिए प्रस्तुत करना होता है। जानकारी के अनुसार इंदौर हवाई अड्डे को सीमाशुल्क के लिए अधिसूचित हवाई अड्डे के रूप में घोषित किया गया है और यहां से वर्तमान में दुबई के लिए अंतर्राष्ट्रीय उड़ानों का प्रचालन किया जा रहा है।

कतर में शुरू हुआ पांचवां वैश्विक सुरक्षा फोरम

■ नई दिल्ली, एजेंसी।

पांचवां वैश्विक सुरक्षा फोरम कतर के प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान अल थानी के भाषण के साथ शुरू हो गया है। फोरम में ईरान के विदेश मंत्रालय के एक बयान में कहा गया है कि दोनों पक्षों ने अफगानिस्तान में शांति और स्थिरता के लिए सहयोग का आह्वान किया। ग्लोबल सिक्योरिटी फोरम ने सोमवार को एक बयान में कहा, 2023 ग्लोबल सिक्योरिटी फोरम की थीम ग्लोबल ऑर्डर को फिर से नया स्वरूप देना है। फोरम ने कहा यह सम्मेलन अंतरराष्ट्रीय दृष्टिकोण पर केंद्रित होगा जिसमें संकट और सहयोग तथा अन्य विषयों पर चर्चा शामिल है। सम्मेलन में वैश्विक ऊर्जा संकट और स्थायी अर्थव्यवस्थाओं को मजबूत करने के दृष्टिकोण, यूक्रेन में युद्ध, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की भूमिका, वैश्विक आतंकवाद और उभरते खतरों का बढ़ना, दूर-दराज़ के क्षेत्रों में हिंसक चरमपंथी को नेटवर्क और वित्तपोषण और दुष्प्रचार-आतंकवाद गठजोड़ जैसे विषयों पर चर्चा होगी। बैठक में कहा, अफ़ग़ानिस्तान ने अमेरिका और अंतर्राष्ट्रीय सैन्य बलों के वापसी और तालिबान के सरकार के वास्तविक अधिग्रहण के बाद से जबरदस्त बदलाव का अनुभव किया है, जिसने लगभग आधी आबादी के लिए शिक्षा और रोजगार की संभावनाओं को गंभीर रूप खतरा बन गया है और प्रशासन और मानवीय संकटों को बढ़ा दिया है। कई विश्लेषकों ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय समुदाय अफगानिस्तान में मानवीय संकट पर ध्यान केन्द्रित नहीं कर रहा है। राजनीतिक विश्लेषक हसन हक्यार ने कहा, इसका मतलब यह है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय अभी भी अफगानिस्तान को महत्व देता है। बैठक में अफगानिस्तान की सुरक्षा और उससे संबंधित चिंताओं पर चर्चा होगी और अफगानिस्तान के लोगों को दी जाने वाली सहायता पर भी चर्चा होगी।

पहल | **सभी DM को आदेश, हर जिले को मिलेंगे 1 लाख रुपये**

चैत्र नवरात्रि पर अखंड रामायण-दुर्गासप्तशति पाठ कराएं: योगी

■ लखनऊ, एजेंसी।

चैत्र नवरात्रि के मौके पर इस बार यूपी में योगी सरकार विशेष आयोजन करने जा रही है। यूपी के हर जिले में योगी सरकार रामायण और दुर्गासप्तशती का पाठ करवाएगी। इस बारे में सभी जिलों के डीएम को निर्देश जारी कर दिए गए हैं। सरकार की तरफ से इन आयोजनों के लिए हर जिले को 1 लाख रुपये का फंड दिया जाएगा। नवरात्रि में सभी शक्तिपीठों और मंदिरों में विशेष आयोजन होगा। सरकार जिला, तहसील और ब्लॉक स्तर पर कार्यक्रमों का आयोजन करवाएगी।

22 मार्च से शुरू हो रहा चैत्र नवरात्रि

बता दें कि इस बार चैत्र नवरात्रि 22 मार्च से शुरू हो रहा है जो कि 30 मार्च तक चलेगा। नवरात्रि के दौरान मां दुर्गा की विधि-विधान से पूजा होती है। योगी सरकार भी नवरात्र को धूमधाम से मनाने के लिए जोर-शोर से तैयारियों में जुटी हुई है। इस संबंध में प्रदेश के सभी जिलों के मंडलायुक्तों और DM को दिशा-निर्देश भी भेजे दिए गए हैं। प्रदेश सरकार जिलों के देवी मंदिरों व शक्तिपीठों में दुर्गा सप्तशती का पाठ और देवी जागरण का कार्यक्रम कराएगी। साथ ही झांकियों और अखंड रामायण पाठ का भी आयोजन किया जाएगा।

महिलाओं की सहभागिता पर जोर

इन कार्यक्रमों में महिलाओं और लड़कियों की भागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया है। मंदिरों में जो भी कार्यक्रम योजित किए जाएंगे, उनके फोटोग्राफ संस्कृति विभाग की वेबसाइट पर अपलोड किए जाएंगे। बताया जा रहा है कि इन आयोजनों के लिए प्रत्येक तहसील और जिला स्तर पर आयोजन समिति का गठन किया जाएगा।

मंदिर के नाम-पते, तस्वीरें साझा करने के निर्देश

अधिकारियों को 21 मार्च तक सभी तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही जिन मंदिरों में कार्यक्रम होंगे उनके नाम-पते, मंदिरों की तस्वीरें और मंदिर प्रबंधन निकायों के संपर्क विवरण साझा करने का निर्देश दिया गया है। इसको लेकर राज्य स्तर पर दो नोडल अधिकारी भी नियुक्त किए गए हैं, जो इन कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक संपन्न कराने में मदद करेंगे।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति जिले में बनी मजाक

मैदान विहीन चल रहे अधिकांश स्कूल

जबलपुर यशभारत । कहीं सिर्फ दो कमरों का स्कूल है, तो कहीं पूरे स्कूल परिसर में शादी चल रही और दो कमरों में स्कूल चल रहा है। राष्टीय शिक्षा नीति, शासन प्रशासन की गाईड लाईन से लेकर हाईकोर्ट सबकुछ नजर अंदाज किये जा रहे है। बच्चों से फीस तो बम्पर वसूली जा रही है लेकिन सुविधाओं के नाम पर ठगा जा रहा है।

गौर करने वाली यह है की यह सबकुछ शिक्षा की नाक के नीचे हो रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में स्कूलों में खेल को अनिवार्य किया गया है, लेकिन आज भी अधिकांश स्कूलों में मैदान ही नहीं हैं। जिले में प्राथमिक से हाईस्कूल तक के स्कूलों में लम्बी कतार है जहां स्कूल मैदान विहीन है। आंकड़ों पर नजर डालें तो जबलपुर में तीन हजार हजार सरकारी और निजी स्कूल है जो सीधेतौर पर शिक्षा विभाग से मान्यता हासिल करते हैं। इनमें अकेले 2526 विद्यालय पहली से आठवीं कक्षा के है। सबसे ज्यादा खेल मैदान की किल्लत इन्हीं संस्थानों में है। अनुमान के मुताबिक आधे से ज्यादा स्कूल बिना मैदान के है।

नियम कागजों तक सीमित

सबसे दयनीय स्थिति उन स्कूलों की है जिन्होंने प्राथमिक तक की मान्यता ली हुई है। किराये की दुकानों, एक दो कमरों, घर की खाली जगहों में स्कूल चलाया जा रहा है। नियम की की बात करें तो हाईस्कूल के लिए मान्यता जिला शिक्षा विभाग से मिलती थी। अब

जिला शिक्षा विभाग की अनुशंसा पर संयुक्त संचालक कार्यालय से मंजूरी की प्रक्रिया होती है। विद्यालय भवन 4000 वर्गफीट में होना अनिवार्य है। इसमें 2000 वर्गफीट का खुला मैदान तथा 2000 वर्गफीट में भवन होना चाहिए। इस प्रकार हायर सेकंडरी के लिए 5600 वर्गफीट स्थल होना चाहिए। इनमें भी 2600 वर्गफीट में भवन तथा तीन हजार वर्गफीट खुला मैदान होना चाहिए। 20 मार्च 2020 के बाद से नए हाईस्कूल के लिए 21780 वर्गफीट जमीन तथा हायर सेकेंडरी कक्षा वाले विद्यालय के लिए 43560 वर्ग फीट जमीन होना आवश्यक है। पहले 100 रुपये के स्टाम्प पर किरायानामा को मान्य किया जाता था अब पंजीकृत किरायानामा विद्यालय समिति के नाम का होना अनिवार्य किया गया है।

72 नये आवेदन पहुंचे.....

पहली से आठवीं कक्षा तक के स्कूलों को राज्य शिक्षा के माध्यम से मान्यता दी जाने का प्राविधान है। 2023 से यह बदलाव हुआ है। इससे पूर्व जिला शिक्षा विभाग से मान्यता दी जाती थी। जिला परियोजना समन्वयक योगेश शर्मा ने बताया कि शिक्षा के अधिकार अधिनियम के तहत स्वयं का भवन या पंजीकृत किरायानामा संस्था के पास होना आवश्यक है। अभी मान्यता के लिए 72 नए संस्थानों के आवेदन मिले थे इसमें 26 संस्थानों के आवेदन मापदंड पूर्ण नहीं होने की वजह से ही अमान्य किए गए है। 46 संस्थानों को मंजूरी दी गई है। उन्होंने कहा कि अभी 30 बच्चों की बैठक क्षमता के अनुसार कक्षाएं होनी चाहिए। इसके अलावा खेल के मैदान होना चाहिए। खेल के हिसाब से मैदान छोटा-बड़ा हो सकता है।

आवश्यक दस्तावेजों को लेकर बनी भ्रम की स्थिति

जबलपुर यशभारत। कोई नगर निगम योजना का फार्म भरने खड़ा है, कोई लोकसेवा केन्द्र में आय और मूल निवासी प्रमाण पत्र बनवाने की दौड़ में है। कोई सरकारी स्कूल में आवेदन की प्रक्रिया पूछने पहुंच रहा है तो कोई पार्षद विधायक कार्यालय के चक्कर काट रहा है। जिले में हर कहीं एक ही चर्चा है लाडली लक्ष्मी योजना, लोग किसी भी हाल में योजना का लाभ लेना चाहते हैं। जिसके लिये अपने कागजात पूरे करने में जुटे हैं। योजना को लेकर आए दिन सोशल मीडिया पर फर्जी पोस्ट वायरल हो रही है, जिसमें अलग अलग डाक्यूमेंट को आवश्यक बताया जा रहा है।

जिसके चलते भ्रम की स्थिति निर्मित हो रही और लोग शासकीय कार्यालयों में कतारबध्द नजर आ रहे हैं। जानकारी के मुताबिक अकेले सिर्फ जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र में संचालित लोकसेवा केंद्रों में हर दिन 200 से 400 लोग नये आवेदन केवल आय प्रमाण पत्र एवं मूल निवासी प्रमाण पत्र के आ रहे हैं। जानकारी का आभाव आमजन और प्रशासन दोनों को परेशानी में डाल रहा है। गौरतलब है कि योजना के लिए मध्यप्रदेश का मूल निवासी होना आवश्यक है लेकिन आवश्यक दस्तावेजों में केवल आवेदक की समग्र आईडी, परिवार की आइडी और आधार कार्ड मांगा गया है।

आवेदन तक नहीं बच रहे...

इन दोनों प्रमाण पत्रों की मांग इतनी है कि छपे फॉर्म की कमी तक लोकसेवा केंद्रों पर होने लगी है। वहीं जो फॉर्म जमा किए जा रहे हैं, उन्हें संभालना भी मुश्किल हो रहा है। कुछ समय पहले एक केंद्र में प्रतिदिन 500 से ज्यादा आवेदन आ रहे थे, अब उनकी संख्या घटकर 250 से 300 पर आई है।

मूल निवासी आय प्रमाण पत्र बनवाने की मची होड़

सिर्फ मूल निवास होना आवश्यक....

महिला का मूल निवासी होना जरूरी है। वह विवाहित हो, विधवा, तलाकशुदा, परित्याक्तता को भी इसमें शामिल किया गया है। महिला के परिवार की सम्मिलित रूप से आए ढाई लाख से कम होनी चाहिए। वहीं स्वयं या परिवार के सदस्य आयकर दाता नहीं हों। परिवार के पास सम्मिलित रूप से पांच एकड़ से अधिक जमीन नहीं हो जैसी शर्तें रखी गई हैं। आवेदन के समय महिलाओं को स्वयं दस्तावेजों के साथ मौजूद रहना होगा। उनकी लाइव फोटो शिविर में ही खींची जाएगी। समग्र आईडी ले जाना जरूरी है। उसका ईकेवायसी होना जरूरी है।

17 मार्च तक आधिकारिक तौर पर उड़ाने बंद होने की

जबलपुर यशभारत। स्पाइस जेट की विमान सेवा जबलपुर से फिलहाल पूरी तरह से बंद हो गई है। त्योहार के वक्त विमान सेवा बंद होने से यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वैकल्पिक उड़ान में महंगी टिकट हो चुकी है। इधर स्पाइस जेट ने 17 मार्च तक आधिकारिक तौर पर उड़ानों को निरस्त करने का ऐलान किया हुआ है। राज्यसभा सांसद विवेक तन्खा ने कहा कि स्पाइस जेट की विमान सेवा बंद होने से जबलपुर शहर के साथ अन्याय हुआ है।

इस विमान सेवा को प्रारंभ करने के लिए स्थानीय जनप्रतिनिधियों को प्रयास तेज करना चाहिए। शहर के विकास में विमान सेवा बेहद जरूरी है। सांसद -राकेश सिंह का कहना है कि स्पाइस जेट विमान सेवा आर्थिक कारणों से बंद हुई है। यहां विमान सेवा बहाल करने के लिए बातचीत की जा रही है। यदि स्पाइस जेट की सेवाएं नहीं प्रारंभ होती है तो उसके विकल्प के रूप से इंडिगों एंव अन्य विमान सेवा को प्रारंभ करवाने का प्रयास किया जाएगा। स्पाईश जेट विमान सेवा बंद होने के बाद से किराया महंगा हो गया है। मुंबई के लिए फिलहाल इंडिगों की सीधा उड़ान हफ्ते में तीन दिन ही संचालित हो रही है। यदि इंडिगों की हैदराबाद वाया मुंबई पहुंचना है तो इसका किराया 19360 रुपये तक अदा करना पड़ रहा है। 15 मार्च की तारीख की बुकिंग के लिए यह किराया है। इसके अलावा 13 मार्च को जबलपुर से मुबंई के लिए 14303 रुपये किराया देना पड़ रहा है। वहीं दिल्ली के लिए 13 मार्च को ही 12370 रुपये किराया लिया जा रहा है। 17 मार्च के बाद की तारीख में टिकट की बुकिंग नहीं हो रही है। टूर एंड ट्रेवल्स को भी विमान कंपनियों के अधिकारियों ने फिलहाल टिकट बुकिंग नहीं करने की सलाह दी है। बता दें कि दो मार्च से स्पाइस जेट कंपनी ने अपनी घरेलू उड़ानों को जबलपुर से बंद कर दिया था। एयरपोर्ट अधिकारियों का कहना है कि स्पाइस जेट के अधिकांश विमान की लीज खत्म हो चुकी है जिस वजह से कंपनी को यह निर्णय लेना पड़ा। विमान बंद होने से विकल्प के तौर पर इंडिगों की उड़ान है जो हफ्ते में तीन दिन है। फिलहाल इंडिगों में जबलपुर से मुबंई का किराया भी 18 हजार के आसपास पहुंच चुका है। विमान कंपनी स्पाइस जेट के विमान संभावना है कि अब जबलपुर से न चले। ऐसे में इंडिगों कंपनी अपनी उड़ान बढ़ा सकती है। जबलपुर से स्पाइस जेट के पुणे, हैदराबाद, दिल्ली और मुबंई के लिए उड़ान सेवा थी। इसमें इंडिगों कंपनी की दिल्ली, मुबंई के लिए विमान सेवा वर्तमान में संचालित है। कंपनी अन्य शहरों को भी अब जोड़ने पर विचार कर रही है। पिछले दिनों सांसद राकेश सिंह ने भी स्पाइस जेट विमान सेवा बंद होने की जानकारी लगने के बाद विमानतल सलाहकार समिति की बैठक में इस मुद्दें को उठाया था। उन्होंने दूसरी विमानन कंपनियों को अवसर के तौर पर इस दिशा में कार्य करने की बात कही थी। स्पाइस जेट के बंद होने से जुड़े मामले में एयरपोर्ट निदेशक व्हीके सूरी ने बताया कि स्पाइस जेट के विमानों की लीज खत्म हो गई थी। जिस वजह से उनकी सेवाएं बंद हो गई है। संभवत- स्पाइस जेट ने बड़े एयरपोर्ट पर ही विमान सेवाओं को चालू रखा है।

125 दिन लगातार बिजली उत्पादन करने का बनाया कीर्तिमान

मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड ने फिर बनाया नया रिकार्ड

जबलपुर,यशभारत। मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड के गांधीसागर जल विद्युत गृह की 23 मेगावाट क्षमता की इकाई क्रमांक पांच ने 125 दिनों तक लगातार विद्युत उत्पादन करने का कीर्तिमान बनाया। यह इकाई चार नवंबर 2022 से लगातार संचालित रहते हुए अभी तक 69.22 मिलियन यूनिट विद्युत कर चुकी है। इस दौरान यूनिट का प्लांट अबेविलिटी फेक्टर (पीएएफ) 100 प्रतिशत दर्ज हुआ है। मध्यप्रदेश के ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, प्रमुख सचिव ऊर्जा संजय दुबे एवं मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी के प्रबंध संचालक मनजीत सिंह ने गांधीसागर जल विद्युत गृह की इकाई क्रमांक पांच द्वारा लगातार विद्युत उत्पादन करने के कीर्तिमान बनाने पर खुशी व्यक्त की है।

इस विद्युत इकाई ने गत वित्तीय वर्ष में भी दो नवंबर 2021 से 2 अप्रैल 2022 तक 150 दिन सतत् उत्पादन करते हुए 73.33 मिलियन यूनिट विद्युत उत्पादन किया था। उस दौरान यूनिट का प्लांट अबेविलिटी फेक्टर (पीएएफ) 100 प्रतिशत दर्ज हुआ था।

मंदसौर जिले के चम्बल नदी पर बना है गांधीसागर जल विद्युत गृह:

गांधीसागर जल विद्युत गृह में 23 मेगावाट क्षमता की पांच इकाईयां स्थापित हैं। इसकी इकाई क्रमांक एक, दो व तीन 19 नवंबर 1960 को और इकाई क्रमांक चार व पांच क्रमश- 16 अगस्त 1963 और 3 नवंबर 1966 को क्रियाशील हुई थीं।

गांधीसागर जल विद्युत गृह की समस्त इकाईयां बा? में जल मग्न हो चुकी हैं:

गांधीसागर जल विद्युत गृह की समस्त इकाइयां सितम्बर 2019 में आई बाढ़ में जल मग्न हो गई थीं। इसके पश्चात यूनिट क्रमांक एक व चार एवं पांच को सुधार कर क्रमशः 31 अक्टूबर 2020, 14 अप्रैल 2021 एवं 10 सितंबर 2020 को पुनः क्रियाशील किया गया। वर्तमान वित्तीय वर्ष 2022-23 में तीनों यूनिटों द्वारा 9 मार्च 2023 तक 261.03 मिलियन यूनिट विद्युत उत्पादन किया गया, जो विगत पांच वर्षो मे सर्वाधिक है।

15 सुरक्षा बलों की नियुक्ति

पूर्व सैनिकों के हाथ रादुविवि की सुरक्षा

जबलपुर ,यश भारत। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय की सुरक्षा व्यवस्था अब पूर्व सैनिकों के हाथ में सौंप दी गई है। सैनिक कल्याण विभाग के सहयोग से प्रशासन ने 15 सुरक्षा बलों को नियुक्त किया है। वहीं इसी सप्ताह पुलिस प्रशासन के साथ मिलकर विश्वविद्यालय में मॉकड्रिल का आयोजन किया जाएगा। गौरतलब है की गत माह विश्वविद्यालय में हुई बमबाजी की घटना के बाद विश्वविद्यालय सुरक्षा व्यवस्था को पुख्ता करने की दिशा में कदम बढ़ा रहा है। रादुविवि प्रशासन ने जिला सैनिक कल्याण विभाग से पूर्व सैनिकों को सुरक्षा के लिए तैनात करवाने का निर्णय लिया। अभी 15 सुरक्षा कर्मियों को अलग-अलग पारी में तैनात किया जा रहा है। मुख्य परिसर से लेकर अन्य विभागों में इनकी नियुक्ति होगी। इसके अलावा चौकीदार जो विश्वविद्यालय में पहले से नियमित रूप से नियुक्त है वे भी बरकरार रहेंगे। जानकारी के मुताबिक रादुविवि प्रशासन ने सुरक्षा विभाग का जिम्मा प्रो. विशाल बन्ने को सौंपा है।

नेत्रहीन छात्रावास में बच्चियों के साथ होली खेलकर मनाया पर्व

जबलपुर,यश भारत । नववर्ष फाउंडेशन के नेतृत्व में होली एवं अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर स्वाधार होम (सेंट्रल जेल) में, एवं नेत्रहीन छात्रावास में महिलाओं और बच्चियों के बीच जाकर होली का त्यौहार मनाया गया। इस दौरान सभी ने एक-दूसरे को गुलाल का तिलक लगाया और सभी मातृशक्तियों को महिला दिवस की शुभकामनाएं देकर आपस में एक-दूसरे का मुंह मीठा कराया। संस्था की अध्यक्ष वर्षा राठौर ने बताया कि संस्था के सभी सदस्यों द्वारा स्वधार होम में होली का त्यौहार मनाने एवं उन सब के बीच समय बिताने में उन सभी के चेहरे की खुशी ने इस त्यौहार को और यादगार बना दिया। इस अवसर पर संस्था के संजय भाटिया,इंजीनियर नवनीत राठौर, सुप्रिया भाटिया, धर्मेंद्र राठौर, कविता राठौर, संजय भारती राठौर, अंशुमान शुक्ला, सविता सहित अन्य उपस्थित रहे।

स्टेमफील्ड इंटरनेशनल स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स में आयोजित हुई दो दिवसीय फुटबॉल प्रतियोगिता

स्टार बॉयज ने डायनामाइट को हराकर किया ट्रॉफी पर कब्जा

जबलपुर, यश भारत। स्टेमफील्ड इंटरनेशनल स्पोर्ट्स कॉप्लेक्स में दो दिवसीय सौहार्द पूर्ण फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में प्रदेश की लगभग 20 क्षेत्रीय टीमों ने 300 खिलाड़ियों के साथ भाग लिया। जिसमें स्टार बॉयज की टीम ने डायनामाइट को 2-1 से हराकर ट्रॉफी पर कब्जा किया। महापौर जगह बहादुर सिंह अन्नू द्वारा विजयी टीम कसे विजेता ट्रॉफी के साथ 3 हजार रुपए का इनाम दिया।

विजयी टीम स्टार बॉयज को बधाई देते हुए महापौर ने विशेष रूप से स्टेमफील्ड स्पोर्ट्स अकादमी के मैनेजिंग डायरेक्टर श्र पर्व जायसवाल जी की सराहना करते हुए कहा कि आज उनके द्वारा नगर वासियों को इस प्रकार के अंतर्राष्ट्रीय स्तर के स्टेडियम की सुविधा प्राप्त हुई है, इसके लिए वे सराहना के पात्र हैं। वहीं स्टेमफील्ड स्पोर्ट्स अकादमी के मैनेजिंग डायरेक्टर पर्व जायसवाल जी ने भी खिलाड़ियों को बधाई दी और कहा कि जैसा कि उन्होंने कहा था कि ये अकादमी न केवल स्कूली छात्रों के लिए है, बल्कि नगर का कोई भी वासी इस अकादमी का लाभ ले सकता है और इसी के परिणाम स्वरूप आज जहां इस दिन रात के फुटबॉल मैच का आयोजन हुआ जिसमें प्रदेश भर के 300 खिलाड़ियों ने भाग लिया । उन्होंने बताया कि शहरवासी इस अकादमी में उपलब्ध सभी 18 खेलों का आनंद स्पॉरलौक डॉट कॉम पर बुकिंग करा कर ले सकते हैं । स्टेमफील्ड संस्था की चेयर पर्सन मधु जायसवाल, डायरेक्टर सुप्रिया जायसवाल एवं स्टेमफील्ड इंटरनेशनल स्कूल विजय नगर की प्रधानाचार्या मनमीत कोहलीजी ने भी खिलाड़ियों को बधाई दी।

मंडला रोड

ठेका निरस्त के बाद सुधार का प्रस्ताव भेजा दिल्ली

95 फीसदी सड़क बनी, नवंबर माह में काम बंद करने के मिले थे निर्देश

जबलपुर, यशभारत। अधूरे निर्माण के साथ अपनी घटिया क्वॉलिटी के लिए कुख्यात हो चुकी जबलपुर मण्डला सड़क का ठेका निरस्त करने के साथ इसमें सुधार का प्रस्ताव केन्द्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्रालय को भेजा गया है। मध्य प्रदेश रोड डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन ने एक बैठक कर ठेका कंपनी का वर्क टर्मिनेट कर दिया। इसी के साथ जो 95 फीसदी सड़क बनी है उसमें बनने के साथ ही सुधार का प्रस्ताव दिल्ली भेजा गया है।

गौरतलब है कि बीते साल नवंबर माह में की शिकायत मिलने पर तुरंत काम को बंद कराने और दोबारा सुधार कराने के निर्देश दिए थे। केन्द्रीय मंत्री के आदेश के बाद अब इसकी सुधार की कवायद शुरू हुई है। वैसे सड़क जबलपुर से मण्डला के बीच में कुडामैली के नजदीक अब भी अधूरी है और यहाँ से निकलते वक्त जनता खासी परेशान हो रही है।

गुणवत्ताहीन काम, मार्किंग भी गायब

बताया जा रहा है कि इस सड़क के निर्माण में घोर लापरवाही बरती गई है। इसकी गुणवत्ता को लेकर बीते सालों में स्तर पर सवाल उठाए गए। कई मंचों से शिकायत हुई जिससे यह कई सालों से चर्चा में बनी हुई है। वाहन उचकता है, न मार्किंग है और न ही जैसी कई सड़कें बननी आरंभ हुई। दिया गया है। उम्मीद है कि किसी तरह से वाहन इसमें स्मूथ चल सकता है। कई जगह तो इस स्तर पर जर्क भी लगते हैं और उनमें टोल वसूली के साथ जल्द सड़क बनकर तैयार हो हैं इसके चलते वाहन पर नियंत्रण तक रखना मुश्किल हो जाता है। नेशनल हाई-वे के जो मापदण्ड हैं उनके विपरीत काम इसमें किया गया है। यह अपने आप में विशेष सड़क साबित हुई है। इसी के साथ जबलपुर कटनी रीवा, जबलपुर अमूमन सभी सड़कें बनकर तैयार ट्रैफिक तक आरंभ हो चुका है, लेकिन दुर्भाग्य है कि घटिया निर्माण हो चुकी है। के साथ मण्डला सड़क सालों से उलझी हुई है।

ऐसी बन रही है सड़क

- एनएच-30 का यह दूसरा हिस्सा। ग डोबी गाँव बरेला से मण्डला के पहले तक।
- कुल लंबाई इसकी 63 किलोमीटर है।
- कुडामैली के नजदीक एक ब्रिज नहीं बन सका।
- 18 माह में बनना था 8 साल बीत गए अब तक। गया है। हमने बैलेंस वर्क पर चर्चा की। इसी के साथ टर्मिनेशन के साथ इसमें सुधार इसमें जल्द सुधार होगा और जाएगी।

इसके लिए प्रोसेस शुरू

इसकी निर्माण लागत 251 करोड़ रुपए। हालत यह है कि इस मार्ग पर चलते वक्त लखनादौन जबलपुर से भोपाल संबंधी प्रपोजल को दिल्ली भेज बीते 8 सालों से यह सड़क अब भी केन्द्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने इसके घटिया काम अधूरी।

-राजेन्द्र चंदेल डीएम एमपीआरडीसी

एनजीटी की गाइड लाइन तक पचा गया

रेत माफिया और अफसर

जबलपुर, यशभारत। रेत माफियाओं के लिए रेत की हवस इस कदर सवार हो चुकी है कि उनके लिये अब आस्था और श्रद्धा जैसे भाव कोई मायने नहीं रखते। रही सही कसर कमीशनखोर अधिकारी मूक सहमति देकर पूरी कर रहे हैं। हैरान कर देने वाली बात यह भी है कि नदियों से रेत उत्खनन के लिए एनजीटी (नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल) के द्वारा गाइड लाइन तय की गयी है। रेत माफिया और अधिकारी मिलकर एनजीटी की गाइड लाइन तक पचा गये।

कई बार पत्राचार हुआ लेकिन कार्रवाई आज तक नहीं हुई

जानकारों का दावा है कि अगर एनजीटी के नियमों के मुताबिक रेत निकासी की जाती तो नर्मदा नदी का ये हाल न होता। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने भी नर्मदा के अस्तित्व को बचाने के लिए पत्राचार करके एनजीटी की गाइड लाइन के मुताबिक रेत उत्खनन करने के आदेश माइनिंग विभाग को दिए हैं। नर्मदा समेत हिरन और परियट नदियों में लंबे समय से अवैध शहपुरा स्थित नर्मदा घाटों की दुर्दशा का भयावह दृश्य रेत माफियाओं के द्वारा टीला खोदकर रास्ता तैयार किया गया है। तरीके से पोकलेन मशीन, टू-टेन मशीन से रेत निकासी हो रही है। जबकि नर्मदा से केवल खाली जगह से रेत उत्खनन करने का टेंडर होता है। लेकिन रेत माफिया एक घाट का टेंडर लेकर नर्मदा के किसी भी हिस्से से रेत उत्खनन शुरू कर देते हैं।

बहुत पहले हो चुका पत्राचार

माइनिंग विभाग के अधिकारियों को बहुत पहले खनिज साधन विभाग म.प्र. के अवर सचिव ने पत्र जारी किया था और उसमें स्पष्ट निर्देश दिए। खनिज विभाग के अधिकारी लगातार रेत उत्खनन वाले घाटों का भ्रमण करें और जहां भी अनियमितता पाई जाती है, उसकी रोकथाम करें। इतना ही नहीं बिना रॉयल्टी के खनिज वाहनों का संचालन जिले के बाहर नहीं होगा। लेकिन जबलपुर जिले में डिंडौरी और मंडला की पर्ची चल रही हैं। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार माइनिंग विभाग के अधिकारी रेत पकड़ने के बाद उन्हीं ठेकेदारों के सुपुर्द कर देते हैं, जो वहां पर घाट चला रहे होते हैं। और प्रकरण कलेक्टर न्यायालय पहुंच जाता है। उसकी सुनवाई के बाद रॉयल्टी सहित रेत मूल्य अदा करने का आदेश हो जाता है और जिस भी ठेकेदार वह रेत मिलती है, वह ठेकेदार उक्त रेत की बल्कि रॉयल्टी का उपयोग वर्षों तक करता है। पुरानी पकड़ी गई रेत को ज्यों की त्यों रखे रहता है और घाटों से अवैध रेत निकासी करवाकर उसकी सप्लाई करता रहता है। यह खेल वर्षों से चल रहा है। जिस पर लगाम नहीं लग पा रही है।

कोलड्रिंक में बेहोशी की दवा मिलकर दुष्कर्म कर बीकॉम के छात्र ने बनाया वीडियो

ब्लेकमेल कर रहा था, पुलिस ने दबोचा

जबलपुर, यशभारत। जबलपुर के लार्डगंज में बलात्कार का एक सनसनीखेज मामला प्रकाश में आया है। यहां पड़ोसी बीकॉम के छात्र ने पहले तो महिला घुमाने का झांसा दिया और फिर अपने दोस्त के यहां ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। जिसका वीडियो बनाकर महिला को ब्लेकमेल करने लगा। इतना ही नहीं छात्र महिला को वीडियो बायरल कर देने की धमकियां देते हुए संबंध बनाना चाहता था। जिसके बाद पीड़िता रोते हुए थाने पहुंची। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर मामला दर्ज कर, आरोपी छात्र को दबोच लिया है। जिससे सख्ती के साथ पूछताछ जारी है।

पुलिस ने पूरे मामले की जानकारी देते हुए बताया कि 34वर्षीय महिला ने बताया कि पड़ोस में ही रहने वाला 26 वर्षीय युवक बीकॉम का छात्र है। जिससे उसका पूर्व परिचय है। जिसने एक दिन शहर घुमाने की बात कहकर उसे अपने एक दोस्त के यहां ले गया और फिर कोलड्रिंक में नशे की गोलियां खिला दी। जब उसे होश आया तब घटना का पता चला।

....तो वीडियो कर दूंगा वायरल

पीड़िता ने बताया कि आरोपी छात्र ने उसके साथ जबरदस्ती की। जिसके बाद वह डरी सहमी थी। लेकिन उसके बाद छात्र ने बताया कि उसने पूरी घटना का वीडियो बना लिया है और अगर उसने आगे उसकी बात नहीं मानी तो वह वीडियो वायरल कर देगा।

घेराबंदी कर आरोपी को दबोचा

पुलिस ने बताया कि प्रकरण दर्ज होते ही आरोपी छात्र की तलाश शुरु की गई। जिसके बाद मुखबिरों से पता चला कि आरोपी शहर छोड़कर बाहर भागने की फिराक में है। जिसके बाद मुस्तैद टीम ने आरोपी को दबोच लिया है। पकड़े गए आरोपी से पूछताछ जारी है।

अधारताल में युवक को दबोचकर सिर में पटक दिया पत्थर

रंजिशन दिया वारदात को अंजाम

जबलपुर, यशभारत। अधारताल के जय प्रकाश नगर में एक युवक से गालीगलौच कर आरोपी ने सिर में पत्थर पटककर लहूलुहान कर दिया और मरणासन्न छोड़कर मौके से फरार हो गया। जिसके बाद आनन फानन में पीड़ित को अस्पताल में भर्ती किया गया। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर, जांच में लिया है।

पुलिस ने पूरे मामले की जानकारी देते हुए बताया कि अजय श्रीवास्तव 40 वर्ष ने रिपोर्ट दर्ज करते हुए बताया कि जय प्रकाश नगर में बैठा था, तभी राहुल कुमार आया और उसे पुरानी बुराई को लेकर गालिया देने लगा। जब उसने मना किया तो पत्थर से ताबड़तोड़ सिर में वार पर वार कर घायल कर दिया। पुलिस ने मामला जांच में लिया है।

14 आयुर्वेदिक दर्दनाशक तेलों का मिश्रण
मामजेसिक
तीव्र दर्दनाशक तेल / क्रीम
कमर, पीठ, गर्दन, जोड़ों एवं घुटने का दर्द, कंधे एवं कूल्हों का दर्द, अंदरूनी चोट, मोच-सूजन, माँसपेशियों में खिंचाव-लचकना, पिंडलियों, पंजों, हड्डियों एवं पसलियों में दर्द, हाथ-पैर में झुनझुनी, कम्पन्न, कमजोरी, जाँघों में दर्द हेतु अत्यंत प्रभावशाली एवं गहराई तक असरकारक...
लकवा रोगियों हेतु अत्यंत लाभदायक
चिपचिपाहट रहित
मामजेसिक तीव्र दर्दनाशक तेल / क्रीम
सभी मेडीकल स्टोर्स में उपलब्ध
9826035091

रोजगार प्रशिक्षण
क्या आप रोजगार चाहते हैं
आईये! हमारे प्रशिक्षण कार्यक्रम से जुड़े और एक अच्छा रोजगार पायें
कार्यक्रम सिर्फ 18 से 30 आयुवर्ग के लिए है
register nline@
https://www.grow.org.in
90099-85689

Office of the Executive Engineer (Elect.)
Jabalpur Municipal Corporation (M.P.)
Notice Inviting E-Tender (2nd Call)

NIT No. : JMC/Light/2022-23/55/PRO/763 Date : 13.03.2023

Jabalpur Municipal Corporation invites tender for the "External Electrification work at Kanchanpur Jabalpur" Detail of tender's can be obtained/ download from our website - www.mptenders.gov.in

Executive Engineer (Light)
J.M.C., Jabalpur (M.P.)

Jabalpur Smart City Limited (JSCL)
Manas Bhavan Wright Town, Jabalpur, M.P-482001,
www.jscljabalpur. org, Contact: admin@jscljabalpur.org,
ceojscl@mpurban.gov.in Mob 7611136800

Ref. JSCL/2023/338/ADM /13 Date 10/03/2023

Notice Inviting Tender (2nd Call)

Jabalpur Smart City Limited invites proposal for selection of Concessionaire for operation and maintenance of Mini Sport Complex at Shiv Nagar, Jabalpur from eligible firms having experience of similar type of work. Interested bidder may obtain the detail RFP document from www.mptenders.gov.in (Jabalpur smart city ltd) and www.jscljabalpur.org.

Chief executive officer , Jabalpur smart city ltd.

कार्यालय नगर पालिक निगम, जबलपुर
लोककर्म विभाग, चतुर्थ निविदा आमंत्रण सूचना

N.I.T. No. /PWD/e-tendering/PRO/762 दिनांक : 13.03.2023

पंजीकृत ठेकेदार/ मान्यता प्राप्त फर्म से निम्नलिखित कार्य के लिये आनलाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है-

क्र.	पैकेज/ कोड	कार्य का विवरण	जिला	अनुमानित लागत (लाख में)	निर्माण अवधि (माह में)
1	सं.क्र. 12	घण्टाघर के अंतर्गत घमापुर चौक से बीजासेन माता मंदिर तक सड़क डामलीकरण कार्य।	जबलपुर	रू. 23.19 लाख (तेईस लाख उन्नीय हजार रुपये मात्र)	04 माह

(1) इच्छुक निविदाकार निविदा सूचना (NIT) का विवरण http://mptenders.gov.in में देख सकते हैं।
(2) निविदा प्रपत्र दिनांक 15.03.2023 को प्रातः 10.30 बजे से दिनांक 23.03.2023 सायं 5.30 बजे तक ऑनलाईन निविदा क्रय की जा सकती है।

कार्यपालन यंत्री, नगर पालिक निगम, जबलपुर

श्रीमद भागवत कथा का आयोजन 7 अप्रेल से

जबलपुर, यश भारत। नवरंग श्रीमद भागवत समिति गढ़ाफाटक जबलपुर के तत्वावधान में श्रीमद भागवत का आयोजन 7 अप्रेल से 14 अप्रेल तक सरस्वती उ.मा. विद्यालय जगदीश मंदिर गढ़ाफाटक जबलपुर में किया जा रहा है। कथा वाचक निखिल शास्त्री वृंदावन वाले कथा का वाचन करेंगे। इस कार्यक्रम में उपस्थिति की अपील रामसिंह ठाकुर, श्रीमती कैलाश रजनी साहू, श्रीमती विमला यादव, नेहा सेंगर, कामनी, अमर यादव, सुरेन्द्र नामदेव, निखिल ठाकुर, उमेश राठौर, सुरेन्द्र ठाकुर, पिंटू शुक्ला, अरूण नामदेव, नारायण शर्मा, विकास, गुड्डू नामदेव, शुभम सोनी, अखिलेश नामदेव आदि ने की ।

राधा-कृष्ण संग खेली फूलों की होली, गौड़ ब्राम्हण सभा में बिखरे उत्साह-उमंग के रंग

जबलपुर यशभारत। रंगों का महापर्व हमारे जीवन में न सिर्फ उत्साह, उमंग के अमिट रंग घोलता है बल्कि यह आपसी प्रेम-सौहार्द का रंग गाढ़ा भी करने का बड़ा माध्यम है। रंगों के इस महापर्व से हम अपने जीवन को रंगमय बनाने की प्रेरणा लें। उक्ताशय के उद्गार गौड़ ब्राम्हण सभा के अध्यक्ष रवींद्र शर्मा ने सभा के होली मिलन कार्यक्रम में उपस्थित सभासदों को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। इस अवसर पर सभा के संरक्षक नकलेश उपाध्याय, डॉ आरडी शर्मा, डॉ गिरीश पचौरी ने सभी सभासदों को अपने आशीवर्चन से अभिसिंचित किया। सभी सदस्यों ने समारोह को उत्साह, उमंग, प्रेम, भाईचारा, आपसी सौहार्द के रंगों से रंगमय बना दिया।स्थानीय यूथ हॉस्टल में आयोजित कार्यक्रम के दौरान सभी सदस्यों ने गोपी और बाल ग्वाल बनकर राधा-कृष्ण संग फूलों की होली खेली। जैसे ही 'मेरी आपकी कृपा से सब काम हो रहा है' गीत गूंजा सभी सदस्य राधे-राधे की अनुगूंज कर झूम उठे। भक्ति-उल्लास में डूबे गोपी-ग्वाल बने सभासदों में नृत्य गान करते हुए जमकर पुष्प वर्षा की। फाग लीला के उपरांत श्रीमती कांता सीठा ने 'मेरे अंगने में तुम्हारा क्या काम है' पर जैसे ही अपनी एकल नृत्य की प्रस्तुति दी पूरा हाल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज गया। क्या बच्चे, क्या युवा और क्या बुजुर्ग सबके सब एक ताल पर झूमते हुए श्रीमती सीठा को संगत दे रहे थे। पूरा हाल रंग-तरंग और उल्लास में डूब गया था।

कार्यक्रम के द्वितीय सत्र में चारू शर्मा और लीना पचौरी की जोड़ी ने सबको खूब हंसाया-गुदगुदाया। श्रीमती रजनी उपाध्याय के संयोजन में आयोजित कार्यक्रमों में अरविंद शर्मा सहित कई सदस्यों ने अपनी-अपनी बेजोड़ प्रस्तुति दी। रंगारंग कार्यक्रमों के बीच पारितोषिक वितरण के साथ सहभोज का सभी सदस्यों ने आनंद लिया और फिर एक दूसरे को गुलाल मलकर पर्व की बधाई दी। डॉ रमाकांत चतुर्वेदी ने सभा की गतिविधियों की जानकारी दी। मंत्री डॉ. रवीन्द्र शर्मा ने सबका आभार व्यक्त किया।

हमारे प्रेरणास्त्रोत पत्रकार अरूण शुक्ला
आशीष कंसल्टेंसी
Email-ajayshukla2680@gmail.com
मो. 9425154156, 9826176903
नामांतरण, डायवर्सन, सीमांकन, बटवारा, वसीयतनामा इत्यादि
पता - आशीष ट्रांसपोर्ट बलदेव बाग जबलपुर

निःशुल्क - निःशुल्क - निःशुल्क - परामर्श
।। जय भद्रकाली ।।
भद्रकाली ज्योतिष मन्नत धाम पुरवा
YouTube सर्च - मेरे गुरुदेव,भविष्यफल वास्तु, एस्ट्रो विशेषज्ञ
9300347944, 6262590643
कौन सा वास्तु दोष आपकी परेशानी की वजह है

महाकौशल का सबसे आधुनिक ICU, जबलपुर में आपकी सेवा में 24 घंटे
LIFE CARE ICU, Mukherjee Hospital
हमारे यहां उपलब्ध विशेषज्ञों की टीम व सुविधाएं
डॉ अभिजीत मुखर्जी (वरिष्ठ हड्डी रोग एवं ट्रामा विशेषज्ञ)
डॉ प्रशांत कुशवाहा (वरिष्ठ न्यूरोसर्जन)
डॉ हर्ष सक्सेना (वरिष्ठ न्यूरोसर्जन)
डॉ हर्ष सक्सेना (वरिष्ठ न्यूरोसर्जन)
डॉ तरून नागपाल (वरिष्ठ न्यूरोलॉजिस्ट)
डॉ एम. चंसोरिया (वरिष्ठ ICU विशेषज्ञ)
डॉ नेहा चंसोरिया B.D.S, M.D.S. (वरिष्ठ दंत एवं जबड़ा रोग विशेषज्ञ)
डॉ विशाल वडेरा (वरिष्ठ किडनी रोग विशेषज्ञ)
डॉ अखिलेश पटेल (छाती एवं स्वांस रोग विशेषज्ञ)
सुविधाएं
हड्डी की चोट का इलाज व ऑपरेशन, सिर की चोट, हेड इन्जूरी, रीढ़ की हड्डी की चोटों का इलाज व ऑपरेशन, लकवा, मिर्गी एवं दिमागी बुखार का इलाज, जहरीली वस्तु का सेवन (Poison Unit), सर्पदंश उपचार, गंभीर लीवर की बिमारी, किडनी की बीमारी (पथरी), डायलिसिस सुविधा उपलब्ध, हर प्रकार के पेट के रोगों का ऑपरेशन,Burn Unit (जले हुए मरीजों का इलाज), महाकौशल के सबसे आधुनिक वेन्टीलेटर उपलब्ध, 24 घंटे डायलिसिस की सुविधाएं
1933, प्रेम मंदिर के पास, राइट टाउन, जबलपुर | 07614038666, 7049079825 | 9300920067

साईं हॉस्पिटल
इनफर्टिलिटी लेप्रोस्कोपी एवं साईं टेस्ट ट्यूब बेबी सेंटर
डॉ. श्रीमति राखी बाजपेयी
MBBS,MS. (OBS & GYM)
टेस्ट ट्यूब बेबी, बांझपन व गायनिक एण्डोस्कापी में उच्च प्रशिक्षित
दूरबीन द्वारा ऑपरेशन से ना चीरा ना रक्तस्त्राव शीघ्र स्वस्थ जल्दी छुट्टी
Dip advanced Gynaec Endoscopy [France]
इक्सी, टेस्ट ट्यूब सेंटर, दूरबीन द्वारा बांझपन का निदान, बंद ट्यूब व टीटी ऑपरेशन खोलना, दूरबीन द्वारा बच्चादानी(टीएलएच), ओवरी की सिस्ट नली में ठहरे गर्भ व बच्चेदानी के ट्यूमर का इलाज व ऑपरेशन, कृत्रिम गर्भाधान IUI IVF ICSI व सुरक्षित गर्भपात।
पथरी, हार्निया, एपेन्डिक्स, पाइल्स, गाल ब्लेडर, बच्चेदानी, स्तन की गठान, बंद ट्यूब गर्भधान इत्यादि सभी आपेरशन व इलाज की सुविधा
सबसे सस्ता अत्याधुनिक मल्टीस्पेशलिटी चिकित्सा संस्थान
कांचघर चौक, रेलवे स्टेशन रोड जबलपुर-8770186650, 7987619550

संपादकीय

कितना कसेगा शिकंजा ?

भारतीय रिजर्व बैंक ने कहा है कि क्रिप्टोकरेंसी पर प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए क्योंकि वे पोंजी स्कीम के समान हैं। लेकिन सरकार ने यह सलाह नहीं मानी है। इसके बजाय उसने इस कारोबार को विनिमियत करने का महत्त्वाकांक्षी कदम उठाया है। केंद्र सरकार ने क्रिप्टो करेंसी पर शिकंजा कसने के लिए नए नियम लागू किए हैँ। एक गजट अधिसूचना के मुताबिक अब क्रिप्टोकरेंसी को खरीदना-बेचना, रखना और इससे जुड़ी सेवाओं पर एंटी-मनी लॉन्ड्रिंग कानून लागू होगा। अब क्रिप्टो एक्सचेंजों को वित्तीय खुफिया इकाई भारत (एफआईयू-भारत) को संदिग्ध गतिविधियों की सूचना देनी होगी। समझा जाता है कि यह कदम क्रिप्टो करेंसी के कारोबार को विनिमियत करने के लिए उठाया गया है। अधिसूचना में कहा गया है कि क्रिप्टो करेंसी की खरीद- बिक्री से जुड़ी तमाम वित्तीय सेवाओं को अब मनी लॉन्ड्रिंग कानून- 2002 के तहत लाया गया है। अब यह देखने की बात होगी कि इस कदम से क्रिप्टो कारोबार सचमुच कितना विनियमित होता है। क्रिप्टो कारोबार एक नई चीज है, जबकि मनी लॉन्ड्रिंग कानून उस समय की स्थितियों के मुताबिक बना था। इसलिए कुछ विशेषज्ञों ने सवाल उठाया है कि क्या यह कदम सचमुच इस नए कारोबार पर लगाम कस सकेगा। भारत ने अभी तक क्रिप्टोकरेंसी के लिए किसी खास कानून या नियमों को लागू नहीं किया गया है, जबकि भारती रिजर्व बैंक ने कई बार उनके इस्तेमाल के प्रति आगाह किया है। बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने इसी साल जनवरी में कहा था कि क्रिप्टोकरेंसी जुए के बराबर है। उन्होंने कहा था कि इसका समर्थन करने वाले इसे संपत्ति या वित्तीय उत्पाद कहते हैं, लेकिन इसमें कोई अंतर्निहित मूल्य नहीं है। क्रिप्टोकरेंसी का मुकाबला करने के लिए आरबीआई ने हाल ही में पायलट मोड में अपना ई-रुपया या केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्रा (सीबीडीसी) लॉन्च किया। भारतीय रिजर्व बैंक ने कहा है कि क्रिप्टोकरेंसी पर प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए क्योंकि वे पोंजी स्कीम के समान हैं। लेकिन सरकार ने यह सलाह नहीं मानी है। इसके बजाय उसने इस कारोबार को विनिमियत करने का महत्त्वाकांक्षी कदम उठाया है। नए कदम के तहत अब क्रिप्टोकरेंसी लेनदेन के मामलों में भारतीय अधिकारियों को देश की सीमाओं से बाहर भी इन संपत्तियों के ट्रांसफर की निगरानी में अधिक अधिकार हासिल हो जाएंगे। गौरतलब है कि केंद्र सरकार ने पिछले साल के बजट में वर्चुअल डिजिटल एसेट्स से होनी वाली आय पर तीस प्रतिशत टैक्स लगाने का फैसला किया था।

संदर्भः रूस ने अमेरिका से 13 साल पुरानी न्यू स्टार्ट न्यूक्लियर ट्रीटी तोड़ने का किया ऐलान

रूस, अमेरिका से तोड़ेगा परमाणु अप्रसार संधि

रूस और यूक्रेन के बीच आक्रमण को एक वर्ष बीत गया। ब्रिटिश रक्षा मंत्रालय का अनुमान है कि इस युद्ध में करीब तीन लाख मौतें हुई हैं। इसी बीच अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने अचानक यूक्रेन का दौरा करके आग में घी डालने का काम कर दिया है। नतीजतन आगबबूला हुए रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने 13 साल पुरानी 'न्यू स्टार्ट न्यूक्लियर ट्रीटी' अर्थात च्नई सामरिक सत्र न्यूनीकरण संधिज तो तोड़ने ने का ऐलान कर दिया है। यह संधि पांच फरवरी 2011 को इन दोनों महाषशक्तियों के बीच हुई थी। पुतिन ने पश्चिमी देशों को परमाणु युद्ध की चेतावनी देते हुए कहा है कि वह इस ऐतिहासिक संधि को निलंबित कर रहे हैं। हम परमाणु परीक्षण फिर से शुरू कर सकते हैं, जिससे युद्ध के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सके। पुतिन ने पश्चिमी देशो पर रूस को नष्ट करने की कोशिशों का आरोप लगाते हुए कहा कि अमेरिका वैश्विक स्तर पर युद्ध को भड़का रहा है। अतएव रूस ने युद्ध टालने की जितनी भी कूटनीतिक कोशिशें की, उन्हें अमेरिका ने सफल नहीं होने दिया। यह संधि दस साल के लिए हुई थी। इसके पूर्ण होने की अवधि 2021 थी, जिसे पांच साल बढ़ाकर 2026 तक अस्तित्व में बने रहने पर सहमति थी। संधि की शर्तों के तहत दोनों देश अपने परमाणु हथियारों के भंडार को सीमित रखेंगे। इस संधि के उद्देश्य के अंतर्गत दोनों देश परमाणु हथियारों की संख्या 1550 तक सीमित रखने को वचनबद्ध थे। संधि के तहत दोनों देश 700 सामरिक हथियारों को चलाए जाने के स्थल पर तैनात करने पर राजी थे। इसमें अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक और सबमरीन मिसाइल और परमाणु हथियारों से लैस बमवर्षक विमान रखे जा सकते थे। एक मिसाइल अपने साथ कई शीर्ष परमाणु विस्फोटक (वॉरहेड) ले जा सकने में सक्षम होती है। ऐसे में मिसाइलों की संख्या कम और परमाणु विस्फोटक की संख्या अधिक रखने की छूट थी।

युद्ध से बचने और शांति के प्रयासों में स्थायित्व लाने की दृष्टि से जिन संधियों को विश्वव्यापी रूप में अमल में लाया गया था, लगता है इस संधि के टूटने के बाद युद्ध के समाप्ति की उम्मीद फिलहाल न्यूनतम हो गई है। इसके उलट तनाव बढ़ता दिख रहा है। यूक्रेन की सेना जहां अमेरिका और उसके अनुयायी नाटो देशों की सैन्य मदद से रूसी सेना का मुकाबला कर रही है, वहीं अब बाइडेन के यूक्रेन दौरे के बाद चीन ने रूस को हथियार देने की घोषणा कर युद्ध के ताप को ब?ा दिया है। साफ है, युद्ध खतरनाक मो? पर पहुंचने को तत्पर दिखाई दे रहा है। युद्ध विराम की संभावनाएं न्यून हो गई हैं। इस सिलसिले में चीन और अमेरिका के बीच चल रहे वार-पलटवार ने इसकी गर्मी को ब?ा दिया है। चीन ने अपने शीर्ष राजनयिक वांग यी को रूस भेजा है। इसके पहले अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने दावा किया था कि चीन-यूक्रेन के साथ जारी युद्ध में रूस को हथियार और गोला-बारूद देने पर विचार कर रहा है। इस पर चीन ने कहा है कि अमेरिका दूसरों पर आरोप मढ़ने की झूटी सुचनाएं फैलाने से बाज आए। इधर ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन और लिज ट्रस यूक्रेन के लिए लड़ाकू विमान देने का समर्थन करते हुए प्रधानमंत्री ऋषी सुनक पर दबाव बना रहे हैं। साफ है, पश्चिमी देश यूक्रेन के कंधे पर बंदूक रखकर रूस को नेस्तनाबूद करने की फिराक में हैं।

इस युद्ध में तीन लाख से ज्यादा लोग अब तक मारे जा चुके हैं। रूस को इस हमले से कुछ हासिल होने की बजाय नुकसान ही हुआ है। बीते एक साल से चली आ रही इस लंबी ल?ाई ने यह भी तय कर दिया कि पुतिन में कूटनीतिक और सामरिक समझ की कमी थी। जबकि वह यूक्रेन की तुलना में अर्थ और सैन्य-शक्ति के मोर्चे पर एक वैश्विक महाशक्ति के रूप में पहचान बनाए हुए है। बावजूद रूस न तो यूक्रेन को पराजित कर सका और न ही उसके हौसले को तोड़ सका ? मुख्य बात यह भी देखने में आई है कि इतनी लंबी लड़ाई चलने के बावजूद यूक्रेन में व्लादिमीर जेलेंस्की के विरुद्ध जन-विद्रोह दिखाई नहीं दिया है। जबकि पुतिन के विरुद्ध रूस में युद्ध के खिलाफ विरोध प्रदर्शन देखने में आए हैं। फिर भी रूस यूक्रेन पर जो भी बड़े हमले कर जिस तरह से सामरिक शक्ति का प्रदर्शन कर रहा है, उससे उसकी निराशा और बौखलाहट झलक रही है। हैरानी इस पर भी है कि मानवता के सामक्ष उपजे इस संकट को तटस्थ देश स्वीकार तो कर रहे हैं, लेकिन युद्ध रोकने के लिए कोई देश आगे नहीं आ रहा है। जबकि यूरोप समेत अनेक देशों के समक्ष इस युद्ध ने ऊर्जा और खाद्यात्र संकट के साथ महंगाई को चरम पर पहुंचा दिया है।

परमाणु निरस्त्रीकरण के प्रयास में जुटी संस्था को 2017 में नोबेल शांति पुरस्कार दिया था। नार्वे स्थित यह अंतरराष्ट्रीय संस्था परमाणु हथियारों की समाप्ती के लिए वैश्विक अभियान अर्थात च्इंटरनेशनल कैंपेन टू एबोलिश न्यूक्लियर वेपन्स च(आईसीएएन) चला रही है। इस संस्था का नोबेल शांति पुरस्कार देना इसलिए प्रासंगिक माना गया था, क्योंकि परमाणु शक्ति संपन्न देशों ने एक-दूसरे को हड़काकर दुनिया को परमाणु युद्ध की आशंका से तनावग्रस्त व भयभीत किया हुआ था। एक तरफ उत्तर कोरिया, अमेरिका, जापान और दक्षिण कोरिया को नेस्तनाबूद करने की धमकी दे रहा था, तो वही जवाबी कार्यवाही में अमेरिका समूचे उत्तर कोरिया का वजूद ही मिटा देने की हुंकार भर रहा था। दूसरी तरफ चीन ने समुद्री निगरानी के बहाने परमाणु पनडुब्बियों को समुद्र में उतारने का फैसला ले लिया था। आतंकियों के भेष में पाकिस्तानी सेना लंबे समय से भारत के साथ युद्धरत थी और दोनों देश एक-दूसरे पर परमाणु हमला कर देने की हुंकार भी भर रहे थे।

आईसीएएन संगठन अंतरराष्ट्रीय संधि के माध्यम से दुनिया को परमाणु हथियार मुक्त बनाने के प्रयासों में जुटा है। संगठन के प्रयासों पर सहमति जताते हुए 122 देशों ने परमाणु हथियारों को प्रतिबंधित करने की संधि भी कर ली है। संयुक्त राष्ट्र संघ की जब 1945 में स्थापना हुई थी, तब उसका मुख्य उद्देश्य विश्व फलक पर परमाणु निरस्त्रीकरण ही था, लेकिन इसे विडंबना ही कहा जाएगा कि इस वैश्विक संस्था के अस्तित्व में आने के बाद से ही परमाणु हथियार रखने वाले देशों की संख्या तो बढ ही रही है, परमाणु और हाइड्रोजन बमों की संख्या भी बढ रही है। जो देश परमाणु संपन्न हैं, वे अब तक परमाणु व अप्रसार संधि (एनपीटी) पर दस्तखत करने को तैयार भी नहीं हुए हैं। इन देशों में अमेरिका, रूस, चीन, ब्रिटेन, फ्रांस, भारत, पाकिस्तान, इजरायल और उत्तर-कोरिया शामिल हैं। यदि आर्म्स कंट्रोल एसोसिएशन, वाशिंगटन की रिपोर्ट को मानें तो इस समय रूस के पास 7000, अमेरिका 6,800, फ्रांस 300, चीन 260, ब्रिटेन 215, पाकिस्तान 140, भारत 110, इजराइल 80 और उत्तर कोरिया के पास 10 परमाणु हथियार मौजूद हैं। यदि ये देश इन हथियारों को चिंगारी दिखा दें तो पूरा ब्रह्माण्ड तहस-नहस हो जाएगा। हमारे दिवंगत प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने इस भयावहता का अनुभव कर लिया था, इसीलिए उन्होंने संयुक्त राष्ट्र में आणविक अस्त्रों के समूल नाश का प्रस्ताव रखा था। लेकिन परमाणु महाशक्तियों ने इस प्रस्ताव में कोई रुचि नहीं दिखाई, क्योंकि परमाणु प्रभुत्व में ही, उनकी वीटो-षक्ति अंतर्निहित है। अब तो परमाणु शक्ति संपंन्न देश, कई देशों से असैन्य परमाणु समझौते करके यूरेनियम का व्यापार कर रहे हैं। परमाणु ऊर्जा और स्वास्थ्य सेवा की ओट में ही कई देश परमाणु-शक्ति से संपन्न देश बने हैं और हथियारों का जखीरा इकट्ठा करते चले जा रहे हैं। हालांकि भारत अभी भी परमाणु अस्त्र विहीन दुनिया का समर्थन कर रहा है। किंतु वह इस परिप्रेक्ष्य में पक्षपात के विरुद्ध है। यही कारण है कि भारत ने अब तक परमाणु अप्रसार संधि पर दस्तखत नहीं किए हैं। अब लग रहा है ऐसा करके भारत ने ठीक ही किया है। संयुक्त राष्ट्र तो इस युद्ध को रोकने में लाचार दिख रहा है। अतएव उचित होगा कि जी-20 समूह के अध्यक्ष के रूप में भारत उन संभावनाओं को तलाशे जो युद्ध-विराम की दृष्टि से कारगर साबित हों।

प्रमोद भार्गव

परीक्षा प्रश्न-पत्र लीक

सिस्टम का इम्तिहान में फेल होना

आज देश में कोई भी परीक्षा हो चाहे वो बोर्ड की परीक्षाएं हों या फिर कोई भी प्रतियोगी परीक्षा हो इसमें एक बात तय होती है और वो है 'पेपर का लीक होना'। इन परीक्षाओं की तारीख भले ही बाद में आए, सोशल मीडिया पर लीक पेपर की कॉपियां पहले आ जाती हैं और ये स्थिति किसी एक या दो प्रदेशों की नहीं है बल्कि भारत के अधिकांश राज्यों का यही हाल है। अगर आप गूगल पर पेपर लीक लिखकर सर्च करेंगे तो आपको इससे जुड़ी इतनी सारी खबरें मिल जाएंगी, जिन्हें गिनना भी मुश्किल हो जाएगा। निन्संदेह, सिस्टम परीक्षा कराने के इम्तिहान में खुद बार-बार फेल हो रहा है।

कुछ ऐसा ही महाराष्ट्र के बुलढ़ाना में ये सिस्टम फिर से फेल हो गया। बुलढ़ाना में बारहवीं कक्षा का गणित का पेपर परीक्षा से पहले ही लीक हो गया। वहां पर बोर्ड की परीक्षाएं चल रही थीं और गणित के पेपर के आधे घंटे पहले ही यानी साढ़े दस बजे पेपर की तस्वीर वायरल हो गई। जिसमें पेपर के जो पेज लीक हैं उनका एक बड़ा हिस्सा उस पेपर में हूबहू मिल रहा है जो छात्रों को बांटे गए थे।

मजे की बात तो ये है कि प्रशासन दबी जुबान से पेपर लीक होने की बात तो मान रहा है और जांच कराने की बात भी कर रहा है लेकिन सरकार की नजर में कोई पेपर लीक ही नहीं हुआ है। जिसके कारण अभी तक इस परीक्षा को रद्द नहीं किया गया है। यहां सवाल ये उठता है कि फिर ये पेपर लीक किसने कराया? क्या ये किसी नकल माफिया का काम है या फिर किसी की शरारत। अब इन तमाम मुद्दों की जांच होगी लेकिन पेपर लीक या गड़बड़ी का ये कोई नया मामला नहीं है।

21 फरवरी को बोर्ड परीक्षा के पहले दिन मराठवाड़ा के परभमी में बारहवीं कक्षा के अंग्रेजी विषय का पेपर लीक हो गया था। जिसके बाद छह अध्यापकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी। यानी सिस्टम परीक्षा को 'लीकप्रूफ' बनाने का दावा तो करता है लेकिन उसके इस दावे पर न तो छात्रों को यकीन है और न ही सिस्टम को क्योंकि ज्यादातर मामलों में पेपर लीक करने वाले खुद इसी सिस्टम के अंदर 'स्लीपर सेल' की तरह मौजूद रहते हैं। नकल माफिया की कठपुतली बन चुके ये स्लीपर सेल जानते हैं कि देश में पेपर लीक के मामले पर कानूनी कार्यवाही से ज्यादा सियासत होती है। बुलढाना के पेपर लीक मामले में भी यही हुआ है। हालांकि सियासत को अलग रखकर देखें तो एक सच्चाई ये भी है कि ये पेपर लीक परीक्षाओं की हकीकत बन चुके हैं। सरकारें आती भी हैं और चली भी जाती हैं लेकिन ये नकल माफिया स्थायी हैं और उनकी सत्ता कभी नहीं जाती। इसलिए देश के करोड़ों छात्र जब परीक्षा देने जाते हैं तो उनके मन में परीक्षा से ज्यादा डर इस बात का रहता है कि कहीं पेपर लीक न हो जाए और उनकी सारी मेहनत पर पानी न फिर जाए।

इसके साथ ही आज हमारे देश के हर परिवार में कोई न कोई ऐसा जरूर होता है जो सरकारी नौकरी की परीक्षा के लिए वर्षों तक तैयारी कर रहा होता है। लेकिन एक पेपर लीक होने से इन छात्रों की सारी मेहनत और ईमानदारी पर पानी फिर जाता है और ये छात्र कई वर्ष पीछे चले जाते हैं। कुछ ऐसा ही उत्तराखंड के देहरादून में इस साल देखने को मिला जहां पिछले दो वर्षों में सरकारी भर्तियों को लेकर जितनी भी परीक्षाएं हुई उनमें पेपर लीक और धांधली के गंभीर आरोप लगे। कुछ परीक्षाओं के दौरान तो ऐसा भी हुआ कि जिस एक सरकारी नौकरी के लिए औसतन 175 लोग आवेदन कर रहे हैं उन्हें परीक्षा देने के बाद ये पता चला कि असल में उस परीक्षा का पेपर पहले से ही लीक हो गया था। इसलिए सरकार को इस परीक्षा के नतीजों को रद्द करना पड़ा।

लेकिन परिणाम रद्द करना इसका कोई हल नहीं है क्योंकि परिणाम रद्द करने से ये छात्र कई वर्ष पीछे चले गए हैं। उत्तराखंड में सरकारी भर्तियों के लिए 'उत्तराखंड सबोर्डिनेट सर्विस सिलेक्शन कमीशन आयोग' है। इस आयोग में राज्य के 22 सरकारी विभागों में 'ग्रुप सी' के कुल 916 पदों पर भर्तियां निकली थीं। ग्रुप सी का मतलब ऐसी सरकारी नौकरियों से है जिनमें सहायक का काम करना होता है। इस मामले में जिन 916 पदों के लिए ये भर्ती हो रही थी वो थे 'सहायक समीक्षा अधिकारी', 'सहायक चकबंदी अधिकारी' और 'ग्राम विकास अधिकारी'। इन 916 पदों की सरकारी भर्तियों के लिए लगभग ढाई लाख छात्रों ने आवेदन किया और दिसंबर, 2021 में जब इसके लिए परीक्षा हुई तब इसमें कुल एक लाख साठ हजार उम्मीदवार परीक्षा देने के लिए बैठे। इस तरह से एक सरकारी नौकरी के लिए 175 उम्मीदवार रेस में थे।

बड़ी बात तो ये है कि उस समय तय नियमों के मुताबिक परीक्षा भी हुई और बाद में परिणाम (रिजल्ट) आने के बाद आगे की भर्ती प्रक्रिया भी शुरू हुई। बाद में बहुत सारी शिकायतें मिलने पर सरकार ने इस भर्ती परीक्षा की जांच कराई तब ये पता चला कि इन परीक्षाओं का प्रश्न पत्र तो पहले से ही लीक हो गया और ये पेपर बाजार में बिक रहा था। इससे भी ज्यादा हैरानी की बात तो यह है कि ये प्रश्न पत्र जिस कंपनी के 'प्रिंटिंग प्रेस' से लीक हुआ ये एक प्राइवेट कंपनी है जहां और भी दूसरी परीक्षाओं के प्रश्न पत्र छापे जा चुके थे। हमारे देश में बेईमानी कितनी ज्यादा है इस बात का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि ये प्रश्न पत्र इस प्रिंटिंग प्रेस में काम करने वाले एक छोटे से कर्मचारी ने ही लीक किया था जिसके बदले उसको 36 लाख रुपये मिले थे। साथ ही इसमें उन विभागों के सरकारी कर्मचारी भी शामिल थे जिन विभागों में ये भर्तियां निकाली गई थीं।

-ऋषभ मिश्रा

आपका राशिफल 15 मार्च

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। शुभांक-3-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर करेंगे। शुभांक-2-5-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)
सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधनों में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-2-5-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। आलस्य का त्याग करें। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-1-4-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शुभांक-2-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। शुभांक-3-5-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि व अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें। आगे से रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिलेगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। शुभांक-3-5-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो या यी यू)
समाज में मान-सम्मान मिलेगा। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार होगा। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। शुभांक-1-3-5

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें। संतान की उन्नति के योग हैं। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-5-7-9

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी)
आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रही अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। शुभांक-1-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
सुख-आनंददायी समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्त्वपूर्ण कार्य के लिए समय अच्छा रहेगा। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। मनोविनोद बढ़ेंगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-1-3-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम होगा। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेंगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-5-7-9

फिल्म वर्ग पहेली- 6103

बायें से दायें:-

१. डिनो मारिया, बिपाशा बसु की 'जब दिल चुराए' गीत वाली फिल्म-३
३. 'ऐ हवा ये बता' गीत वाली धर्मेन्द्र, रेखा की फिल्म-३
५. सलमान, नगमा की 'चांदनी रात है' गीत वाली फिल्म-२
७. 'टूट गई तड़क करके' गीत वाली नाना पाटेकर, माधुरी की फिल्म-३
८. अनिल धवन, रेहाना सुल्तान की 'दिल बेचैन सा' गीत वाली फिल्म-२,२
९. 'चाँदनी रूप की' गीत वाली संजयदत्त, सलमान खान, रवीना की फिल्म-२
१०. डैनी, विनोद मेहरा, मौसमी की 'संसार है एक' गीत वाली फिल्म-३
११. 'गाड़ी बुला रही है' गीत वाली धर्मेन्द्र हेमा की फिल्म-२
१३. जीतेन्द्र, रमेश्वरी की 'काहे बिंदिया लगाई' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'वो लड़की बहुत' गीत वाली अजय देवगन, नेहा धूपिया की फिल्म-४
२०. बॉबी, अक्षय खन्ना, अमीषा की 'दिल ने कर लिया' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'मुझे साजन के' गीत वाली अनिल, जैकी, मनीषा, माधुरी की फिल्म-२
२२. सनी, सुनील, सेलिना की 'प्यार होने लगा' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'क्या है तुम्हारा नाम' गीत वाली जैकी श्रॉफ, डिम्पल की फिल्म-२
२७. फरदीन खान, उर्मिला की 'दो प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-३
२८. 'लाल लाल होठों पे' गीत वाली अजय देवगन, जूही की फिल्म-४
२९. फिल्म 'एलओसी' में अजय देवगन के साथ किस की जोड़ी है-२
३०. 'सोल्जर' में प्रीति का नायक?-२
३१. 'मेरे दिल का पता' गीत वाली राहुल राय, दीपक, पूजा की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'दुनिया हसीनों का' गीत वाली बॉबी देओल, मनीषा, काजोल की फिल्म-२
२. अनिल धवन, नीतूसिंह की 'अपने दिल में जगह' गीत वाली फिल्म-३
३. 'मैं निकला' गीत वाली सनी देओल, अमीषा पटेल की फिल्म-३
४. करण दीवान, वैजयंती की 'दुनिया का मजा लेलो' गीत वाली फिल्म-३
५. 'किताबें बहुत सी' गीत वाली शाहरुख, काजोल, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-४
६. राजेंद्रकुमार, माला सिन्हा की 'बांसुरी बजाय के' गीत वाली फिल्म-२
९. 'मिलने से पहले' गीत वाली शरद कपूर, मुकुल आनंद, सुष्मिता की फिल्म-३
१२. विवेक ओबेरॉय, दीया मिर्जा की 'दिल ही दिल में' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'एक तो ये बैरी' गीत वाली दिलीपकुमार, शर्मिला की फिल्म-३
१६. रितिक, करीना की 'ए री रे एरी क्या है' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'आपका चेहरा' गीत वाली धर्मेन्द्र, नसीर, सोनू, चक्रवर्ती की फिल्म-४
१८. गोविंदा, ऋषिकपूर, नीलम, मीनाक्षी की 'तेरे डैडी ने दिया' गीत वाली फिल्म-३
१९. शाहरुख, सैफ, प्रीती जिंटा की 'कुछ तो हुआ है' गीत वाली फिल्म-२,१,१,१
२३. अमिताभ, सलमान, हेमा की 'चली चली फिर चली' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'रूखी सूखी रोटी' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'इंतहा हो गई' गीत वाली फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली - 6102

Jagrutidaur.com, Bangalore

सुबह उठकर पिएं गुनगुना पानी, एक नहीं सेहत को होंगे ढेरों फायदे

बहुत से लोग सुबह उठकर गुनगुना पानी पिते हैं। सुबह खाली पेट पानी पीना स्वास्थ्य के लिए बहुत ही फायदेमंद होता है इससे मुंह में मौजूद लार और हानिकारक बैक्टीरिया पानी के साथ मिलकर शरीर में जाते हैं। जिससे शरीर अच्छे से डिटॉक्सीफाई होता है। इसके अलावा पानी में पाई जाने वाली लार पाचन क्रिया को स्वस्थ रखने में सहायता करती है। बहुत से लोग सुबह उठते सादा पानी पीते हैं तो कई लोग फ्रिज का ठंडा पानी पी लेते हैं। सादा पानी पीने से स्वास्थ्य को कई नुकसान नहीं होते परंतु ठंडा पानी स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है। एक्सपर्ट्स के अनुसार, गुनगुना पानी पीकर सुबह की शुरुआत करने से शरीर को कई स्वास्थ्य लाभ होते हैं तो चलिए जानते हैं इनके बारे में....

वजन होता है कम

नियमित रुप से गुनगुना पानी पीने से मेटाबॉल्जिम का स्तर बढ़ता है जिससे फैट तोड़ने और कैलोरी बर्न होने में भी सहायता मिलती है। वजन कम करने के लिए आप नियमित ठंडा पानी पी सकते हैं।

स्वस्थ रहता है पाचन

रोजाना गुनगुना पानी पीने से पाचन तंत्र भी स्वस्थ रहता है। गुनगुना पानी पेट में एसिड के उत्पादन को कंट्रोल करता है जिससे आपका पाचन तंत्र उत्तेजित होता है।

किडनी फंक्शन सुधरता है

किडनी शरीर में से टॉक्सिन्स पदार्थ को बाहर निकालने में मदद करते हैं। नियमित गुनगुने पानी का सेवन करने से किडनी का फिल्ट्रेशन सुधरता है और किडनी भी एकदम स्वस्थ रहती है।

एसिडिटी होती है दूर

गुनगुने पानी का सेवन करने से पेट में मौजूद एसिड पतला होता है, जिससे आप एसिडिटी जैसी समस्या से आराम पा सकते हैं। नियमित गुनगुना पानी पीने से आपको एसिडिटी से भी राहत मिलती है।

बीपी करे कंट्रोल

हाई ब्लड प्रेशर के रोगियों के लिए भी रोजाना गुनगुना पानी बहुत ही फायदेमंद होता है। इससे आपका ब्लड प्रेशर सामान्य रहता है। इसके अलावा गुनगुना पानी हाई बीपी और ब्लड फ्लो को सुधारने में भी सहायता करता है।

स्किन रखे हैल्दी

गुनगुना पानी आपके शरीर को डिटॉक्सीफाई करता है। इसके अलावा यह कोशिकाओं की मरम्मत करने में भी सहायता करता है। नियमित गुनगुना पानी पीने से आपका शरीर में कोलेजन का उत्पादन होता है। गुनगुना पानी पीने से आपकी त्वचा भी एकदम हैल्दी रहती है।

हैल्दी बाल

बालों को मजबूत करने में भी गुनगुना पानी सहायता करता है। नियमित गुनगुना पानी पीने से आपके बालों की जड़ें मजबूत होती हैं। यह आपकी नर्व एंडिंग्स को उत्तेजित करना मजबूत बनाने में भी सहायता करता है। स्कैल्प में रक्त का संचार बढ़ता है और पोषक तत्वों के सर्कुलेशन में भी सुधार होता है।

सूडोकु नवताल- 6617

★★★ मध्यम

8		4	3	9	7	5		6
3					2			
		7	6	5				4
9	6		5			1		7
5		1	4		9	8		2
4		8					5	3
2				6	1	4		
			7					8
7		9	8	3	5	6		1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6616 का हल

7	8	4	9	5	2	6	1	3
9	6	2	4	3	1	8	5	7
1	3	5	7	8	6	2	4	9
4	2	3	6	1	5	9	7	8
8	5	9	2	4	7	1	3	6
6	7	1	3	9	8	4	2	5
3	1	7	8	6	4	5	9	2
5	9	6	1	2	3	7	8	4
2	4	8	5	7	9	3	6	1

विचार प्रवाह

सवाल किया है दुनिया में कितने मोड़ हैं? सबके अलगअलग विचार थे। किसी ने कहा चार दिशाएं हैं अतः चार मोड़ हैं। किसी ने कहा दस दिशाएं है अतः दस मोड़ अतः हजार हजार मोड़। किसी ने कुछ तो किसी ने कुछ कहा। मैंने जवाब में कहा: दुनिया में सिर्फ दो ही मोड़ हैं। लेफ्ट और राइट। वैसे भी दुनिया दुरंगी है।

-मुनिश्री तरुण सागर

शब्द पहेली - 7655

बाएँ से दाएँ

1. खटपट, ठनाठनी-4
4. पंजाब की एक नदी-4
6. चित्रकमेल, लम्बी गर्दनवाला पशु-3
8. दंड, दम, शासन-3
9. धरा, भूमि-3
11. शासन व्यवस्था, रहस्य-2
13. नवचंद्राकार-5
15. अकेला-2
16. दया, करुणा-3
18. बंदर का खेल दिखाने वाला-3
19. देवर्षि, देवमुनि-3
20. सब्जी, भाजी-4
22. कुंए पर पानी भरने का चबूतरा-4

ऊपर से नीचे

1. गुनाह, दोष, जुर्म-3
2. अपराधमुक्त, निवृत्त-2
3. सौत, दूसरी स्त्री-3
4. होशियार, गुणवान-5
5. भूकम्प-4
7. भेद, तुलना-3
10. परिचर्या-5
12. स्वभाव-4
14. स्थित होना-3
17. श्मशान-4
18. गृह, भवन-3
21. जीवन, जीव, स्फूर्ति-2

शब्द पहेली -7654 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

राहुल गाँधी पर आरोप लगाने वाली गोडसे समर्थक प्रज्ञा ठाकुर की सोच निंदनीय

■ भोपाल, यशभारत।

मध्य प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष एवं भोपाल की पूर्व महापौर विभा पटेल ने भोपाल की सांसद प्रज्ञा सिंह समेत भाजपा पर पलटवार करते हुए कहा कि उन्हें राष्ट्रभक्त परिवार के राहुल गांधी की आलोचना करने का अधिकार नहीं है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के हत्यारे नाथूराम गोडसे को अपना आदर्श बताने वाली सांसद प्रज्ञा सिंह की भाषा निम्न स्तरीय है। उन्हें न इतिहास का पता है और न ही राजनीतिक, संवैधानिक ज्ञान है। इस कारण सस्ती लोकप्रियता अर्जित करने की खातिर वे घटिया बयानबाजी करने पर उतर आई है। उनके आरोप निंदनीय है। गौरतलब है कि संत हिरदाराम नगर में शनिवार को सांसद प्रज्ञा सिंह ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के लिए कहा- विदेशी महिला से पैदा बेटा कभी देशभक्त नहीं हो सकता। इन्हें अब राजनीति में मौका नहीं दिया जाना चाहिए। देश से बाहर निकाल दिया जाना चाहिए

श्रीमती पटेल ने उन्हें याद दिलाया वे खुद एक महिला है। साथ ही साध्वी है। ऐसे में सांसद प्रज्ञा सिंह से सभ्य एवं मर्यादित

भाषा की अपेक्षा की जाती है। भारत में शुरू से वसुधैव कुटुंबकम वह दार्शनिक अवधारणा है, जो सार्वभौमिक भाईचारे और सभी प्राणियों के परस्पर संबंध के विचार को पोषित करती है। भारतीय सभ्य समाज, सभ्यता, संस्कृति और सनातनी दर्शन को भूलकर वे अनर्गल प्रलाप कर रही है। वे मालेगांव बम ब्लास्ट मामले में जेल की हवा खा चुकी है। उनके कृत्यों से प्रदेश की जनता परिचित है। सांसद प्रज्ञा सिंह को ये जानना-समझना चाहिए कि स्वतंत्रता संग्राम आंदोलन और देश निर्माण में गांधी परिवार एवं कांग्रेस का योगदान अतुल्यनीय है। राष्ट्रीय स्वंय सेवक संघ और भाजपा के किसी नेता ने आजादी की लड़ाई में हिस्सा नहीं लिया और न ही देश के लिए कुर्बानी दी। उन्होंने सांसद प्रज्ञा सिंह से पूछा है कि राहुल गांधी की आलोचना करने के पहले वे बताए राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ के नागपुर स्थित मुख्यालय पर आजादी मिलने के बाद तिरंगा क्यों नहीं फहराया गया। क्या संघ ने देश के लिए कोई कुर्बानी दी है। श्रीमती पटेल ने कहा कि राहुल गांधी द्वारा कैंब्रिज विश्वविद्यालय में दिए गए लेक्चर का जहां तक सवाल है तो उन्हें यह अधिकार संविधान ने दिया है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी बहुत ही मौलिक प्रश्न उठा रहे हैं। आखिर क्यों अल्पसंख्यकों, दलितों और जनजातियों पर हमले किए जा रहे हैं। ऐसी हर कोशिश क्यों की जा रही है जिससे मोदी सरकार और उनके सहयोगियों के प्रति कोई भी 'असहमति' न दिखा सके। विभा पटेल ने आरोप लगाते हुए कहा कि तमाम भाजपाइयों के पास एक ही काम है, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी की छवि खराब करना। राहुल जी को भारत जोड़ो यात्रा में मिली अपार सफलता से ये बौखला गए हैं। इस कारण बोलने की आजादी को खत्म करने के लिए प्रवर्तन निदेशालय, सीबीआई, आयकर विभाग का इस्तेमाल राजनीतिक उपयोग के लिए किया जा रहा है।

मत्स्य बीज हेचरी निर्माण के लिए आवेदन आमंत्रित

■ भोपाल, यशभारत।

मत्स्य विभाग के अंतर्गत नील क्रांति योजना में मत्स्य बीज उत्पादन हेतु सर्कुलर हैचरी की स्थापना की जाती है जिसमें उच्च गुणवत्ता का मत्स्य बीज उत्पादन किया जाता है और रोजगार का लाभ भी ले सकते है। योजना में सभी वर्ग के इच्छुक व्यक्ति जो हैचरी निर्माण कर, मत्स्य बीज उत्पादन से स्वयं का रोजगार स्थापित करना चाहते हो वे जिले के मत्स्य अधिकारी और क्षेत्रीय अधिकारियों को आवेदन प्रस्तुत कर सकते है। मत्स्य अधिकारी ने बताया कि योजना में इकाई लागत राशि रूपए 25 लाख की होती है जिसमें हितग्राही को 50 प्रतिशत का अनुदान दिया जाता है। जिला मत्स्य अधिकारी ने बताया कि मत्स्य बीज उत्पादन हेतु सर्कुलर हैचरी की स्थापना कर स्वयं का रोजगार प्राप्त करने के लिए हितग्राही के नाम से 2.00 हैक्टेयर से अधिक भूमि दस्तावेज के साथ आवश्यक अनुमति होना चाहिए। चयनित हितग्राही के लिए योजना निर्माण कार्य के लिए उपर्युक्त स्थल का चयन, भूमि का नक्शा एवं खसरा संबंधित सभी दस्तावेज होना आवश्यक है। हितग्राही स्वयं के व्यय से राष्ट्रीयकृत बैंकों से वित्तीय सहायता प्राप्त कर सकता है। सहायक यंत्री, तकनीकी अधिकारियों द्वारा उक्त भूमि का निरीक्षण उपरांत प्लान तथा स्टीमेट बनाया जाएगा, हितग्राही को संबंधित विषय का प्रशिक्षण प्राप्त करना आवश्यक होगा, निर्माण कार्य तकनीकी अमले के निर्देशन में किया जाएगा, हितग्राही को शासकीय दर से मत्स्य पालकों को मत्स्य बीज विक्रय करना होगा और हैचरी निर्माण के पश्चात हैचरी में सुधार, मरम्मत तथा प्रबंधन हितग्राही को स्वयं करना होगा। हितग्राही की प्रशिक्षण अवधि 5 दिवस की होगी।

31 अगस्त तक भोपाल आएगी पहली मेट्रो

90 किलोमीटर प्रतिघंटा होगी रफ्तार

■ भोपाल, यशभारत।

गुजरात के बड़ोदरा स्थित सावली में मेट्रो निर्माण के लिए अल्सटाम ट्रांसपोर्ट इंडिया कारखाना लगाने जा रहा है। इसका निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। सोमवार को मप्र के नगरीय प्रशासन मंत्री भूपेंद्र सिंह इस कारखाने का वर्चुअल शुभारंभ किया। इसके बाद मेट्रो ट्रेन का निर्माण शुरु कर दिया जाएगा। 31 अगस्त 2023 तक भोपाल व इंदौर में एक-एक मेट्रो ट्रेन की आपूर्ति शुरु कर दी जाएगी। उन्?होंने कहा कि 31 अगस्त तक इसका ट्रायल पूरा करना है, 31 अगस्त के पहले आप लोग कोच लेकर भोपाल आएंगे, हमें उम्मीद है मुख्यमंत्री और हम आपका स्वागत करेंगे। मुझे विश्वास है कंपनी इसको समय पर पूरा करेगी केंद्र सरकार का पूरा सपोर्ट हमारे साथ हैमेट्रो के वरिष्ठ अधिकारी रविवार को ही सावली पहुंच गए हैं। जहां सुबह विधिवत पूजन के बाद उत्पादन संयंत्र का शुभारंभ किया। इस दौरान उनके साथ प्रमुख सचिव नगरीय प्रशासन नीरज मंडलोई, मेट्रो के प्रबंध संचालक मनीष सिंह, परियोजना निदेशक अजय शर्मा समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।भोपाल व इंदौर में मेट्रो ट्रेन की रफ्तार 90 किलोमीटर प्रतिघंटा रहेगी भोपाल में 27 व इंदौर में 25 मेट्रो चलेगीभोपाल में 81 कार (डिब्बे) (तीन कारों की 27 ट्रेन) तथा इंदौर में 75

कार (डिब्बे) (3 कारों की 25 ट्रेन) का निर्माण प्रस्तावित है। मेट्रो कार की लंबाई 22 मीटर तथा चौड़ाई 2.9 मीटर होगी। दोनों ही शहरों में मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार 31 सितंबर 2023 से पहले प्रायोरिटी कारिडोर में मेट्रो का ट्रायल रन होना है। जबकि संचालन मार्च 2024 से शुरु होगा। हर 90 सेकंड में मिलेगी मेट्रो यात्रियों को मेट्रो स्टेशन पर ट्रेन का अधिक इंतजार नहीं करना पड़ेगा। हर 90 सेकंड में यात्रियों को मेट्रो मिलेगी। पहले चरण में भोपाल में 30.9 किलोमीटर के मार्ग में मेट्रो का संचालन होगा। मेट्रो रेल परियोजना के लिए रोलिंग स्टाक कारों के रखरखाव 15 वर्ष तथा सिग्नलिंग, ट्रेन नियंत्रण और दूरसंचार प्रणालियों के लिए सात वर्ष तक व्यापक रखरखाव करने की जिम्मेदारी निर्माण एजेंसी की होगी।

बिना चालक के दौड़ेगी ट्रेन

बिजली की आपूर्ति के लिए 750 ड्ढष्ठ (3 ह्स्र रेल) पर आधारित होगी। यह अत्याधुनिक सिग्नलिंग तकनीक ल्रू-4 (बैंड आफ आटोमेशन 4) अनअटेन्डड ट्रेन आपरेशन मोड (ड्राइवरलेस) पर आधारित होगी। शुरुआत में भोपाल एवं इंदौर मेट्रो ड्राइवराटेन आपरेटर के द्वारा चलाई जाएगी तथा भविष्य में (2-3 वर्ष उपरांत) अनअटेन्डड ट्रेन ऑपरेशन मोड में बिना ड्राइवर आपरेटर के संचालन होगा। भारत में अभी केवल दिल्ली मेट्रो की एक लाइन में इस तकनीक का उपयोग किया जा रहा है। इसके साथ ही अत्याधुनिक टेलीकम्यूनिकेशन (दूरसंचार) सिस्टम के अंतर्गत इमरजेन्सी हेल्प पाइंट सिस्टम, पब्लिक एड्रेस सिस्टम, पैसेंजर इनफार्मेशन सिस्टम, वायस रिकार्डिंग सिस्टम, सीसीटीवी आदि की सुविधा होगी।

मच्छरों से बचाव लोगों की प्राथमिकता में हो : डीएमओ दुबे

हाथी पाँव रोगियों की खोज हेतु अभियान शुरू

■ भोपाल, यशभारत।

मच्छरों की विभिन्न प्रजातियां है, जिनमे, मादा एनोफ्लीज, एडीज, क्यूलेक्स प्रमुख है, जिसमे एडीज मच्छर के काटने से डेंगू चिकुनगुनिया, मादा एनोफ्लीज से मलेरिया एवं क्यूलेक्स मच्छर के काटने से फाइलेरिया (हाथी पांव) क्यूलैक्स ट्राइरनोटिक्स नामक मच्छर के द्वारा जापानीज इंसेफलाइटिस रोग होता है। वाहक जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत शनिवार की रात्रि में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रभाकर तिवारी के निर्देशन में एवं जिला मलेरिया अधिकारी अखिलेश दुबे की उपस्थिति में राष्ट्रीय फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत भोपाल के सस्पेक्टेड क्षेत्र इंद्रपुरी सी सेक्टर में फाइलेरिया जनजागरूकता हेतु शिविर का आयोजन जिला मलेरिया कार्यालय भोपाल द्वारा किया गया जिसमें नगर निगम भोपाल एवं एंबेड परियोजना का भी सहयोग रहा। शिविर के दौरान जिला मलेरिया अधिकारी अखिलेश दुबे ने कहा कि मच्छर से बचाव लोगों की प्राथमिकता में होना चाहिए क्योंकि अभी भी हम मच्छर जनित बीमारियों को हल्के में लेते है, जबकि हमे समझना चाहिए की बीमारी कोई भी हो हमे प्रिकॉशन लेना अनिवार्य है लेकिन घबराना नहीं चाहिए एवं मच्छर से बचाव करना चाहिए, हाथी पांव की बात करे तो संक्रमित क्यूलेक्स मच्छर के काटने से फाइलेरिया रोग होता है, जिसके लक्षण सालो बाद

दिखाई देते है, इसमें पुरुषों के जननांग और उसके आस-पास दर्द व सूजन की समस्या होती है। इसके अलावा पैरों और हाथों में सूजन, हाइड्रोसिल अंडकोषों की सूजन भी फाइलेरिया के लक्षण हैं। चूंकि इस बीमारी में हाथ और पैरों में हाथी के पांव जैसी सूजन आ जाती है, इसलिए इस बीमारी को हाथीपांव कहा जाता है। वैसे तो फाइलेरिया का संक्रमण बचपन में ही आ जाता है, लेकिन कई सालों तक इसके लक्षण नजर नहीं आते। शिविर के दौरान फाइलेरिया की रक्त पट्टी संग्रह नियमानुसार रात्रि में किया गया, जिसमें करीब 25 लोगो की ब्लड स्लाइड बना कर जांच के लिए जिला मलेरिया कार्यालय की लैब को भेजी गईं। शिविर में मलेरिया निरीक्षक एवं एंटी लार्वा प्रभारी श्रीमती उर्मिला सिंह जोन प्रभारी मृगेंद्र सिंह, मलेरिया निरीक्षक माइकल हैमिल्टन, लैब टेकनीशियन श्रीमती गीता लक्ष्मी, स्टोर प्रभारी राकेश सोनपुरे, अन्नपूर्णा धुरिया, एंबेड परियोजना की कार्यक्रम सहायक रत्नेश सिंह, फील्ड स्टॉफ जीतेन्द्र रघुवंशी, गणेश बैरागी, छगन अहिरवार, मनोज कुशवाहा, संजय धड़से, आशा कार्यकर्ता अन्नू गौर, नूतन, उमा, निर्मिला बीसीसीएफ साधना धाडसे, अर्चना मौर्य सहित सभी लोग उपस्थित रहे।

जिले में साढ़े पांच लाख लाडली बहना बनाने के लिए शुरू हुए प्री-केम्प

■ इंदौर, यशभारत।

लाडली बहना योजना के लिए जिले में प्री-कैंप शुरू किए गए हैं। इसमें महिलाओं के आधार और समग्र आईडी को लिंक किया जा रहा है। साथ ही बैंक खाते को भी आधार से अपडेट किया जाना है। जिले में 23 मार्च तक प्री- कैम्प लगाए जाएंगे। इसके बाद 25 मार्च से आवेदन फार्म भरने की प्रक्रिया की जाएगी। जिले में साढ़े पांच लाख महिलाए योजना से जुड़ेगी।मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा घोषित लाडली बहना योजना का जोर शोर से क्रियान्वयन प्रदेश में कराया जा रहा है। जिला प्रशासन और महिला एवं बाल विकास ने इंदौर जिले में साढ़े पांच लाख के करीब बहनों को योजना से जोड़ने का लक्ष्य रखा हैं। यह संख्या विभाग ने जिले की महिला संख्या और अन्य योजनाओं से निकली हैं। जो योजना के लिए पात्र हो सकती हैं। प्रत्येक माह महिलाओं के खाते में शासन द्वारा 1000 रुपए की राशि जमा कराई जाएगी। चुनाव से पहले 6 किस्त के महिलाओं के खाते में जमा करने के लिए 25 मार्च से आवेदन फॉर्म भरे जाएंगे। 25 मार्च से ऑनलाइन आवेदन भरने के लिए गांव और वार्डों में शिविर लगेंगे। महिलाओं को समग्र आईडी, आधार कार्ड और बैंक पासबुक लेकर केम्प में जाना होगा। यहां लाइव फ़ोटो होगा और आवेदन अपलोड किया जाएगा। इससे पहले आधार से समग्र आईडी और बैंक खाता लिंक करवाना होगा। जो किसी भी एमपी ऑनलाइन के कियोस्क सेंटर पर निःशुल्क हो सकेगा। आवेदन की अन्तिम तारीख 30 अप्रैल है। 1 से 15 मई तक आपत्ति दर्ज कराई जा सकती है। आपत्ति का निराकरण 30 मई तक होगा। 10 जून को पहली किस्त खाते में जमा की जाएगी। इसके बाद प्रत्येक माह की 10 तारीख को किश्त खाते में जमा होगी।

राज्य सरकार ने दिया उच्च स्तरीय जांच का आश्वासन

विस में मुख्यमंत्री कन्यादान योजना में भ्रष्टाचार पर हंगामा

■ भोपाल, यशभारत।

मध्यप्रदेश विधानसभा में सोमवार को मुख्यमंत्री कन्यादान योजना में भ्रष्टाचार का मामला गूंजा। इस मामले में विपक्षी सदस्यों ने हंगामा करते हुए जांच की मांग की। विपक्ष की मांग को मानते हुए संसदीय कार्यमंत्री डॉ नरोत्तम मिश्रा ने आश्वस्त किया कि उच्च स्तरीय जांच करवा ली जाएगी। यह मामला प्रश्नोत्तरकाल के दौरान कांग्रेस की वरिष्ठ विधायक सुश्री लक्ष्मी साधौ ने उठाया और कहा कि योजना के तहत गुणवत्ताहीन सामग्री का वितरण् किया जा रहा है। इसकी जांच होना चाहिए। मैंने और हितग्राहियों ने भी इसकी शिकायत की है, इसकी बावजूद कुछ नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि जांच भी उन्हीं लोगों से करवाई गई जिन्होंने ये भ्रष्टाचार किया है। प्रश्न के उत्तर में पशुपालन मंत्री प्रेम सिंह पटेल ने कहा कि मामले की जांच करवाई है उसमे ऐसा कुछ नहीं पाया गया है।

सरकार के जवाब से असंतुष्ठ सुश्री साधौ ने कहा कि सरकार की मंत्री सुश्री मीना सिंह ने भी स्वयं इस बात को माना है। जवाब में सुश्री मीना सिंह ने कहा कि आप लोगों की सरकार होती तो मामला उजागर ही नहीं होता है हमने माना भी और सामग्री का वितरण भी रुकवा दिया है। जवाब से असंतुष्ठ सुश्री साधौं ने कहा कि मामले की पुन~ जांच प्रश्नकर्ता विधायक की मौजूदगी में करवाए। उत्तर में संसदीय कार्य मंत्री ने कहा ने कहा कि उच्च स्तरीय जांच करवा ली जाएगी। सुश्री साधौ ने कहा कि जांच में मुझे भी शामिल करवा ले, लेकिन सरकार से उन्हें ऐसा कोई आश्वासन नहीं मिला। इसके बाद विधानसभा अध्यक्ष गिरीष गौतम ने आग्रह किया कि प्रश्नकर्ता विधायक को जांच के समय बुलवा लें।

विधानसभा में राज्य सरकार ने दिया यह जवाब

प्रदेश के नगरीय विकास एवं आवास मंत्री भूपेंद्र सिंह ने विधानसभा में जानकारी दी कि प्रदेश में अन्य पिछडा वर्ग को सरकारी नौकरियों में 27 फीसदी आरक्षण प्रदान किया जा रहा है। उन्होंने सदन को अवगत कराया कि प्रदेश के तीन विभागों में उच्च न्यायालय का स्टे होने के कारण 27 प्रतिशत आरक्षण का लाभ नहीं दिया जा रहा है। शेष सभी विभागों में राज्य सरकार द्वारा ओबीसी वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण दिया जा रहा है। यह जानकारी उन्होंने प्रश्नकर्ता विधायक श्रीमती कल्पना वर्मा द्वारा पूछे गए प्रश्न के उत्तर में दी। चर्चा में भाग लेते हुए पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने सवाल किया कि यह बताए कि कौन-कौन से विभागों में 27 प्रतिशत आरक्षण लागू है।

शिक्षा का अधिकार अधिनियम

प्रवेश के लिए आवेदन 15 से

■ भोपाल, यशभारत।

शैक्षणिक सत्र 2022-23 के लिए शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत निर्देश जारी किये गये हैं। शैक्षणिक सत्र 2022-23 के लिए मान्यता प्राप्त अशासकीय स्कूल में कमजोर वर्ग एवं वंचित समूह के बच्चों के निःशुल्क प्रवेश प्रक्रिया के संबंध में निर्देश जारी किए गए हैं। शिक्षा के अधिकार अधिनियम के अंतर्गत गैर अनुदान मान्यता प्राप्त अशासकीय स्कूलों में ऑनलाइन आवेदन एवं त्रुटि सुधार हेतु 13 मार्च से 23 मार्च तक तिथि निर्धारित की गई है। 13 से 23 मार्च 2023 तक पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन एवं त्रृटि सुधार हेतु विकल्प, 15 मार्च से 25 मार्च तक ऑनलाइन आवेदन के पश्चात पोर्टल से पावती प्राप्त की जा सकती है। रेण्डम पद्धति से ऑनलाईन लॉटरी द्वारा स्कूल का आवंटन एवं चयनित आवेदको को एसएमएस द्वारा 28 मार्च को सूचना दी जाएगी।आनलाइन लॉटरी के माध्यम से जिन बच्चों को स्कूल का आवंटन हुआ है वे स्कूल में उपस्थित होकर प्रवेश प्राप्त करेंगे। साथ ही संबंधित अशासकीय स्कूल द्वारा मोबाइल एप के माध्यम से एडमिशन रिपोर्टिंग दर्ज करा सकेंगे। संबंधित अशासकीय स्कूल द्वारा एडमिशन रिपोर्टिंग करनें पर पोर्टल द्वारा आवेदक के पंजीकृत मोबाइल पर एसएमएस के माध्यम से 31 मार्च से 10 अप्रैल 2023 तक पुष्टि की जाएगी।इसके अलावा द्वितीय चरण प्रवेश के लिए रिक्त सीटों को पोर्टल पर 13 अप्रैल 2023 को प्रदर्शित किया जाएगा। द्वितीय चरण के लिए ऑनलाइन लॉटरी द्वारा स्कूल का आवंटन 20 अप्रैल को किया जाएगा। जिन बच्चों को ऑनलाइन लॉटरी के माध्यम से स्कूल का आवंटन हुआ है उसके द्वारा पोर्टल से आवंटन पत्र डाउनलोड कर आवंटित स्कूल में प्रवेश दिया जाएगा।

आपातकालीन सेवा डायल-112,100 ने किए गए उत्कृष्ट कार्य

पूरे प्रदेश में लोगों को मिल रही सेवाएं

एक्सीडेंट हो जाने जाने से घायल हुए 22 व्यक्तियों को भर्ती कराया गया

■ भोपाल, ईएमएस।

जिला रायसेन के थाना साँची के अंतर्गत अमखेड़ा गाँव मे बस और ट्रैक्टर-ट्राली का एक्सीडेंट हो जाने से 22 व्यक्ति घायल हो गए थे। पुलिस सहायता के लिए इसकी सूचना राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम डायल-100 भोपाल में 12 मार्च को रात्रि 03 बजे प्राप्त हुई। सूचना प्राप्ति पर तत्काल रायसेन जिले के साँची थाना क्षेत्र में तैनात डायल-100 वाहन को मदद के लिए रवाना किया गया। डायल-112/100 स्टाफ ने घटना स्थल पर पहुँचकर बताया कि अमखेड़ा गाँव मे बस और ट्रैक्टर-ट्राली का एक्सिडेंट हो जाने से 22 घायल व्यक्तियों को डायल-112/100 स्टाफ ने एफ.आर.व्ही. वाहनों एवं चिकित्सा वाहन से ले जाकर उपचार हेतु साँची अस्पताल मे भर्ती करवाया। जहाँ से गंभीर घायलों को जिला चिकित्सालय विदिशा रिफर किया गया।अग्रिम कार्यवाही थाने द्वारा की जा रही है।

-डिंडोरी के थाना बजाग के अंतर्गत रात्री में हार्वेस्टर अनियंत्रित होकर पलटा, अस्पताल मे भर्ती करवाया

जिला डिंडोरी के थाना बजाग के अंतर्गत पथरा गाँव मे हार्वेस्टर अनियंत्रित होकर पलट जाने से 04 व्यक्ति घायल हो गए थे पुलिस सहायता के लिए इसकी सूचना राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम डायल-100 भोपाल में दिनाँक 12-03-2023 को रात्रि 12~30 बजे प्राप्त हुई। सूचना प्राप्ति पर तत्काल डिंडोरी जिले के बजाग थाना क्षेत्र में तैनात डायल-100 वाहन को मदद के लिए रवाना किया गया। डायल-112/100 स्टाफ ने घटना स्थल पर पहुँचकर बताया कि हार्वेस्टर अनियंत्रित होकर पलट जाने से 04 घायल व्यक्तियों को डायल-112/100 स्टाफ ने एफ.आर.व्ही. वाहन एवं चिकित्सा वाहन से ले जाकर उपचार हेतु बजाग अस्पताल मे भर्ती करवाया। जहाँ घायलों का उपचार किया जा रहा है। अग्रिम कार्यवाही थाने द्वारा की जा रही है।

-देवास के थाना नाहर दरवाजा के अंतर्गत जेल चौराहे पर मिले बालक को, डायल-112/100 सेवा ने चाईल्ड लाईन देवास के सुपुर्द किया

जिला देवास के थाना नाहर दरवाजा के अंतर्गत जेल चौराहे पर एक 12 वर्षीय बालक मिला था जो घर का रास्ता भटक गया था। पुलिस सहायता के लिए इसकी सूचना राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम डायल-100 भोपाल में दिनाँक 11-03-2023 को शाम 04 बजे प्राप्त हुई। सूचना प्राप्ति पर तत्काल देवास जिले के नाहर दरवाजा थाना क्षेत्र में तैनात डायल-100 वाहन को मदद के लिए रवाना किया गया। डायल-112/100 स्टाफ ने घटना स्थल पर पहुँचकर बालक को संरक्षण मे लिया। बालक से जानकारी लेने पर बालक सही जानकारी नहीं दे पा रहा था बालक को साथ लेकर आसपास परिजन की तलाश एवं पूछताछ करने पर कोई जानकारी नहीं मिलने पर थाने लेकर आए। थाने के माध्यम से बालक को चाईल्ड लाईन देवास के सुपुर्द किया गया।

सेवा ने बहुत लोगों की जान बचाई, लोगों को मिला जीवन

-नीमच के थाना कुकड़ेश्वर के अंतर्गत मध्यरात्रि मे बस और अल्टो कार का एक्सीडेंट हो जाने से घायल हुए 04 व्यक्तियों को, डायल-112/100 सेवा ने मनासा अस्पताल मे भर्ती करवाया

स्मैक बिक्री क्षेत्र में चरम पर युवाओ का भविष्य अंधकार में

गाडरवारा(यश भारत) युवाओं में इस समय अनेक नशा करने की आदत व महंगे नशे करना एक ट्रेंड बन चुका है व नशे की ओर वर्तमान में युवाओं का झुकाव बड़ी आम बात होगयी है नगर व ग्रामीण क्षेत्रो में मादक पदार्थो की बिक्री खुलेआम धड़ल्ले से होरही है क्योंकि रक्षक ही भक्षक की भूमिका में है सबका अपना हिस्सा तय है व समय पर पूरी चिंता के साथ पहुँच रहा है मौत के सौदागरों ने क्षेत्र को बर्बाद करने के लिए बड़ा मकड़जाल फैला रखा है अनेक स्थानों पर स्मैक-पाउडर की बिक्री हो रही है पुलिस अधिकारी कहते है हमने बीट प्रभारी नियुक्त किये हुए है अपराध का पता चलते तुरन्त कार्यवाही करने के निर्देश जारी किये हुए है स्मेक के व्यापार में लिप्त युवा महंगी बाइको से शहर के अनेक खास इलाको में खुले आम कर रहे है बिक्री अनेक बेरोजगार युवाओं को नशे की लत लगाकर करा रहे है अपराध पुलिस के नाक के नीचे चिल्लर बाँट कर कर रहे लाखो का बाज़ार नशामुक्ति अभियान वर्तमान दौर में अनेक शासकीय व समाजसेवी व राजनैतिक संगठनो द्वारा कार्यक्रम नशामुक्ति के लिए आयोजित किये जाते है जिनका मूल उद्देश्य जनजागृति करना होता है परन्तु

ज़मीनी हकीकत को कैसे नजर अंदाज किया जा सकता है हम केवल भाषण के माध्यम से नशे के इस मकड़जाल को कैसे रोक सकते है अगर वास्तिवकता के धरातल से नशामुक्ति के लिए कोई बड़ा योगदान करना चाहते है तो किसी भी एक नशे के सौदागर पर उचित कानूनी कार्यवाही कराने में भूमिका निभाई जाए की ओर बढ़ता है स्मैक के नशे के जाल में फंसने के बाद युवा नशे की पूर्ति करने के लिए किसी भी हद तक जाने के लिए तैयार रहता है घर के बर्तन सामान जेवर व अन्य चीजों को बेचने तक में उसे कोई गुरेज नहीं रहता जब यह सब चीजें बिक जाती हैं तब वह चोरी मारपीट धोखाधड़ी जैसे कई अपराध तक कर बैठता है व पूरे परिवार के भविष्य को अंधकार में धकेल देताा है

गोटेगांव तहसील क्षेत्र में चल रहे मादक धंधे

गोटेगांव, यशभारत। गोटेगांव तहसील क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्रामों में अवैध मादक धंधे पाऊडर,गाँजा,अफीम,अवैध शराब आदि जुआं बगैरह के अनैतिक कार्य बेरोकटोक चल रहे हैं जिससे युवा पीढ़ी और परिवार तबाह हो रहे हैं इस नशे की लत ने तो कई घर परिवार बर्बाद तो किये ही है और कई परिवार का समय के पहले ही परिवार चलाने वाला चिराग ही बुझा दिया है आखिर इन अवैध मादक व्यापार की तरफ शासन का ध्यान क्यों नहीं जाता है और जाता भी है।तो ये सब धंधे फल फूल रहे हैं इन पर अंकुश नहीं लगने से यह विषय समूची तहसील की जनता के बीच चर्चा का विषय बनता जा रहा है असमय काल के गाल में परिवार का नशा करने वाला सदस्य जब चला जाता है तो परिवार कैसे चलता होगा।नगर में खासकर नशा करने वालो की गृहणियां और उनके ज्यादा ही।परेशान होते नजर आते हैं।तहसील गोटेगांव थाना के अंतर्गत ग्रामो में चल रहे अवैद्य शराब चरस अफीम गांजा पाउडर आदि के नशे जिस में घर हो रहें है वरवाद घर घर परिवार में लड़ाई और सड़क दुर्घटनाए और मौते देखने को मिल रही हैं मौतों से परिवार वरवाद हो रहें हैं ।

गोरी तेरे गाल पर ऐसा लगे गुलाल.....

सिहोरा, यशभारत। ब्राह्मण समाज सिहोरा द्वारा कार्यकारिणी का होली मिलन समारोह का आयोजन समाज के संरक्षक राष्ट्रीय कवि अश्वनी कुमार पाठक की अध्यक्षता में रंगपंचमी पर पंडित विशुद्धानंद पांडे ब्राहमण समाज भवन में आयोजित किया गया। भगवान परशुराम की पूजा अर्चना से प्रारंभ हुए होली मिलन पर कवियों ने कविता पाठ के माध्यम से समारोह को रंगीन बनाकर सभी को मंत्र मुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में नारायण तिवारी ने मन बासंती हो गया,सुन पिक का संकेत. गोरी बोली आँख से,चल सरसों के खेत एंव,गोरी तेरे गाल पर ऐसा लगे गुलाल।मोहब्बत के रंग तुम पर बरसा देंगे आज,अपने प्यार की बौछार से तुम्हे भीगा देंगे आज महिला मंडल अध्यक्षा धर्मशीला दुबे,नरेन्द्र त्रिपाठी ने रोमांटिक गीत,विमलेश खम्परिया ने शिवभजन प्रस्तुत कर आयोजन में चार चांद लगा दिए,सरिता तिवारी ने नारी वेदना गीत,संजय तिवारी ने निर्मल बाबा हमें बता दो कृपा कहा पर अटकी है प्रस्तुत किया।सुरेंद्र तिवारी ने राजनीति पर व्यंग,समाज के अध्यक्षा राकेश पाठक,रमाकांत पाठक, सुधीर अवस्थी,नरेन्द्र खम्परिया,रवि दुबे, राजेन्द्र दुबे,अरविंद उपाध्याय,अदिती उपाध्याय आदि ने शानदार गीत गाकर माहौल को रंगीन कर दिया।कार्यक्रम संचालन नारायण तिवारी ने एंव आभार प्रदर्शन उपाध्यक्ष प्रवीण गौतम ने किया।

सीएम कन्या विवाह योजना के तहत 107 जोड़ों का हुआ विवाह

जबलपुर। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में गरीब कन्याओं के विवाह हेतु चलाई जा रही मुख्यमंत्री कन्यादान योजना निश्चित ही जनकल्याण के प्रति दूरदृष्टि व संवेदनशीलता का प्रमाण है। इसी के तहत बरगी विधानसभा के अंतर्गत जनपद पंचायत बरगी के पुराना पानी में आयोजित सामूहिक विवाह कार्यक्रम में समलित हो सहभागी बन क्षेत्रवासी व परिजनों का आशीर्वाद प्राप्त किया ।कार्यक्रम में 107 जोड़ो ने दाम्पत्य जीवन में प्रवेश किया।।

पमरे का ओरिजनेटिंग रेवेन्यू 7095 करोड़ 63 लाख रूपये

जबलपुर यशभारत। पश्चिम मध्य रेल महाप्रबंधक सुधीर कुमार गुप्ता के कुशल मार्गदर्शन में और प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबंधक एवं प्रमुख मुख्य परिचालन प्रबंधक के निर्देशन में तथा तीनों मण्डलों के मण्डल रेल प्रबंधक के नेतृत्व में वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य/परिचालन विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा आपसी समन्वय से कार्य करते हुए रेल राजस्व बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास किये जा रहे हैं।

इसी तारतम्य में अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा आपसी समन्वय से कार्य करने के परिणामस्वरूप वित्तीय वर्ष के अप्रैल 2022 से फरवरी 2023 तक में पमरे को कुल रुपये 7095 करोड़ 63 लाख का ओरिजनेटिंग रेवेन्यू प्राप्त हुआ, जो विगत वर्ष की इसी अवधि में प्राप्त राजस्व रुपये 5184 करोड़ 87 लाख से लगभग 37 प्रतिशत अधिक है जबकि पमरे को अकेले फरवरी 2023 में 684 करोड़ 51 लाख रूपये का ओरिजनेटिंग रेवेन्यू प्राप्त हुआ।जबलपुर मण्डल में इस वित्तीय वर्ष में अप्रैल 2022 से फरवरी 2023 तक मण्डल को कुल रुपये 3855.50 करोड़ का राजस्व प्राप्त हुआ, जो गत वर्ष की इसी अवधि में प्राप्त राजस्व रुपये 2824.95 करोड़ से 36 प्रतिशत अधिक है, जबकि अकेले फरवरी माह में 372.45 करोड़ रूपये का ओरिजनेटिंग रेवेन्यू प्राप्त हुआ वही भोपाल मण्डल इस वित्तीय वर्ष में अप्रैल 2022 से फरवरी 2023 तक मण्डल को कुल रुपये 1841.75 करोड़ का राजस्व प्राप्त हुआ, जो गत वर्ष की इसी अवधि में प्राप्त राजस्व रुपये 1269.08 करोड़ से 45 प्रतिशत अधिक है, जबकि अकेले फरवरी माह में 197.05 करोड़ रुपये का ओरिजनेटिंग रेवेन्यू प्राप्त हुआ इसी तरह से वित्तीय वर्ष में अप्रैल 2022 से फरवरी 2023 तक मण्डल को कुल रुपये 1398.38 करोड़ का राजस्व प्राप्त हुआ, जो गत वर्ष की इसी अवधि में प्राप्त राजस्व रुपये 1090.84 करोड़ से 28 प्रतिशत अधिक है जबकि अकेले फरवरी माह में 115.02 करोड़ रूपये का ओरिजनेटिंग रेवेन्यू प्राप्त हुआ।

राष्ट्रीय कलचुरी एकता महासंघ की संयोजिका श्रीमती अर्चना जायसवाल का स्वागत

जबलपुर, यशभारत। आज राष्ट्रीय कलचुरी एकता महासंघ की संयोजिका श्रीमती अर्चना जायसवाल के संस्कारधानी जबलपुर आगमन पर जायसवाल समाज युवा संगठन द्वारा भव्य स्वागत किया गया श्रीमती अर्चना जायसवाल द्वारा समाज की एकजुटता, भगवान सहस्त्रबाहु जी की प्रतिमा एवं मंदिर निर्माण तथा महिला सशक्तिकरण पर समाज के लोगों का मार्गदर्शन किया द्य कार्यक्रम में समाज के गुरु श्री श्री 1008 पगला नंद जी महाराज भी उपस्थित थे उनका स्वागत समाज के अध्यक्ष केशव जायसवाल एवं सचिव राम मनोहर जायसवाल जी ने किया द्य कार्यक्रम को कार्यकारी अध्यक्ष किशोर राय जी ने भी संबोधित कियाद्य कार्यक्रम में युवा संगठन के विजय जायसवाल राजेश जायसवाल (एमपीईबी) ,जितेंद्र जायसवाल ,बॉबी जायसवाल संजीव जायसवाल, संदीप जायसवाल ,संजय गुप्ता, प्रदीप जायसवाल एवं कलचुरी महासभा के श्री मनोहर चौकसे ,श्री बीड़ी राय श्री शैलेंद्र महाजन एवं महिला मंडल की श्रीमती रेखा चौकसे एवं श्रीमती प्रमिला राय एवं समाज के गणमान्य सजातीय बंधु उपस्थित थे।

होली संगीत के साथ हुई फूलों की होली

पाटन, यशभारत। श्री नृत्य गोपाल मंदिर सभागार में रंग पांचमी पर न्यास द्वारा आयोजित ÷ फूलों की होली ÷ में होली गीत संगीत लोक धुनों ने ऐसा समा. वांधा की उपस्थित गणमान्य जन भी मस्ती में नाच उठे.. फूलों की पंखुड़ियों की वर्षा के साथ जैसे आनंद वरसा. और उपस्थित विशाल जन समूह होली रस से सराबोर हो गया. लोक गंधर्व पं रुद्रदत्त दुबे, आकाश वाणी गायक लोचन सोनी, शुभांशुदुबे, सुखचैन विस्वकर्मा, गोविन्द नारायण दुबे की गायकी के साथ तबले पर रामनाथ सोनी, माधव सिंह, मृदंग पर हेमराज चढ़ार, धीरज झरिया, नगड़िया पर राघवेन्द्र शुक्ल व छोटे लाल ने शानदार संगत की. मंदिर सर्वाराहकार ठाकुर रणधीर सिंह ने कलाकारों व गणमान्य जनों का स्वागत किया. कार्यकम के पूर्व भगवान नृत्य गोपाल जी का विष्णु साहस्त्र नाम द्वारा तुलसी मंजरियों के साथ पूजन अभिषेक किया गया. इस अवसर पर नगर और समीपी ग्रामों के गणमान्य जन उपस्थित थे.

105 सोमय मति माताजी का ससंघ पनागर आगमन

पनागर, यशभारत। परम पूज्य आचार्य 108 श्री विद्यासागर महाराज जी की परम शिष्य 105 सोमयमति माताजी का ससंघ पनागर आगमन हुआ आपके साथ आज 105 चैतयमति माताजी 105 पुनीतमति माताजी 15 जागृत मति माताजी की पनागर में भव्य अगवानी की गई आयका संघ द्वारा पनागर में समस्त जिनालओं के दर्शन किए एवं प्रातः 9 बजे श्री 1008 नेमिनाथ जिनालय बाजार मंदिर में मांगलिक प्रवचन हुए जिसमें नगर के महिला पुलिस बच्चों ने भाग लिया तत्पश्चात आपकी आहार चर्या पनागर में संपन्न हुई बड़ी माता जी के हाथ आहार समाज के अध्यक्ष राजेश कटंगा के निवास पर संपन्न हुए।

शैलेश तहसील अध्यक्ष बने

पनागर, यशभारत। म.प्र. वन एवं वन्यप्राणी संरक्षण कर्मचारी संघ जबलपुर के पदाधिकारियों एवं सदस्यों द्वारा आज दिनांक 12/03/2023 को वनपरिक्षेत्र पनागर में आयोजित बैठक में वनपरिक्षेत्र पनागर के शैलेश गौतम को सर्वसहमति से पनागर तहसील अध्यक्ष नियुक्त किया गया।

बड़ादेव पुराना पानी मे सम्पन्न हुआ कन्यादान समारोह

107 जोड़े बंधे विवाह बंधन में

बरगी, यशभारत। विगत दिवस बरगी के समीपस्थ आदिवासी समुदाय के आस्था के प्रतीक बड़ादेव पुराना पानी मरहापाठा मे मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के अंर्तगत 107 जोड़ो का विवाह जनपद पंचायत के अधिकारी कर्मचारियों व जनपद अध्यक्ष के कुशल मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ । विगत 2 वर्ष बाद आयोजित इस कार्यक्रम में लोगो ने बढ़चढ़कर हिस्सा लिया उससे पूर्व कार्यक्रम का शुभारंभ जनपद पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती चंद्र किरण दयानंद गिरी, जनपद के कार्यपालन अधिकारी कोरी जी जिला पंचायत अध्यक्ष संतोष बरकड़े, जिला सदस्य मुन्नी बाई, रामकुमार सैयाम,श्रीमती आशा मुकेश गोंटिया व सरफिरे मेडम द्वारा माँ सरस्वती जी का पूजन व दीप प्रज्वलन के साथ किया गया , ततपश्चात मंच पर आसीन शाहपुरा मंडी के पूर्व अध्यक्ष नीरज सिंह, लष्मीकांत शुक्ला बबुआ भैया जनपद सदस्य, डालचंद सैयाम, भारती सुखलाल यादव, दिनेश मर्सकोले, सतेंद्र गर्ग, संजय गर्ग, नारायण शर्मा, अंजना सैयाम, संगीत भूमिया शिवप्रसाद ,द्रोपती नारायण केवट, समर्थ यादव आराधना शर्मा, मंजू चौकसे, पुष्पा पटेल, लता शर्मा, आरती साहू, कनिका मजूमदार, पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष मांगीलाल मरावी , बबलू सिंह , का स्वागत जनपद पंचायत जबलपुर के अधिकारी कर्मचारियों के द्वारा किया गया। उसके पश्चात सभी कर्मचारियो के विधिवत संयोजन में एक साथ 107 दूल्हों की बारात बैंडबाजे के साथ निकाली गयी व मंचासीन सभी अथितियो के उपस्थिति में सभी वरो ने बधुओं को व सभी वधुओ ने वरो को वरमाला पहनाई। तत्पश्चात वही बने विवाह मंडप में पुरोहितों के द्वारा सभी का विवाह संपन्न कराया गया ।

आज के इस कार्यक्रम जिसमे 107 जोड़े विवाह हेतु आये थे उनमें से 50 जोड़ो का विवाह बड़ादेव परिसर में आदिवासी धर्माचार्यो की उपस्थिति में उनके रीतिरिवाजों के साथ कराया गया कार्यक्रम की जानकारी देते हुए जिला पंचायत अध्यक्ष ने सभी जोड़ो को बधाई प्रेषित की साथ ही कन्या विवाह योजना के लिए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को भी धन्यवाद दिया वही जनपद अध्यक्ष पति दयानद गिरी जी ने बताया कि आज के इस विवाह समारोह में शासन द्वारा 55000 हजार रुपये की राशि मे से 38000 की दहेज सामग्री, 11000 का चेक व 6000 की अन्य सामग्री प्रदत की गई साथ ही जनपद अध्यक्ष द्वारा सभी दूल्हों को अपनी ओर से साफा, और अंगोछा प्रदत्त किया गया , उन्होंने बताया कि पूर्व में ये सभी कार्यक्रम जबलपुर में ही आयोजित हो जाते थे किंतु जबसे संजय यादव बरगी के विधायक बने है तबसे इस प्रकार के सभी कार्यक्रम बरगी में ही भव्यता के साथ आयोजित किये जा रहे है । इस अवसर पर उन्होंने आज के कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों व जनपद के सभी अधिकारी कर्मचारियो , समन्वय अधिकारी ,सचिव , सहसचिव सभी के प्रति इस भव्य व सफल कार्यक्रम के लिए आभार व्यक्त किया।

विधायक संजय यादव ने 107 जोड़ो को भेट में दिए उपहार

बरगी परिचेत्र में आयोजित होने वाले हर शासकीय अशासकीय कार्यक्रमो में बढ़चढ़कर हिस्सा लेने वाले बरगी के विधायक संजय यादव ने आज के कन्यादान योजना अंतर्गत सम्पन्न हुए विवाह कार्यक्रम में सभी 107 जोड़ो में वधुओ को साड़ी व दूल्हों को एक एक घड़ी अपनी ओर से उपहार स्वरूप प्रदान की ।विदित हो भोपाल में कार्यक्रम होने के कारण आज वो इस कार्यक्रम में उपस्थित नही हो पाए उनके प्रतिनिधि के रूप में उनके भतीजे सत्यम व उनकी पत्नी व विधायक पुत्र समर्थ यादव ने ये उपहार कार्यक्रम स्थल पर सभी को भेंट किये। कार्यक्रम को सफल बनाने में जनपद पंचायत जबलपुर के सभी अधिकारियों कर्मचारियो का अभूतपूर्व सहयोग रहा ।

हमसफर एक्सप्रेस मे गूंजी किलकारी

जबलपुर , यशभारत। जबलपुर से होकर बांद्रा टर्मिनल से सहरसा की ओर जा रही गाड़ी नंबर 22913 सहरसा हमसफर एक्सप्रेस के कोच नंबर एस-5 में एक महिला प्रसव पीड़ा से तड़पने लगी जिस पर उसकी सामान्य प्रसव कराया गया। वाणिज्य नियंत्रक जबलपुर के मैसेज पर महिला यात्री श्रीमती शालू देवी उम्र 32 वर्ष की सतना स्टेशन पहुंचने पर रेलवे स्टाफ स्टेशन प्रबंधक वाणिज्य सतना एवं रेलवे डॉक्टरों की टीम ने अटेंड किया तथा प्रसव ट्रेन पर ही संपन्न कराया गया ।प्रसव के उपरांत महिला, नवजात शिशु एवं उसके परिजनों की मदद करते हुए स्टेशन प्रबंधक वाणिज्य द्वारा निजी वाहन से जिला चिकित्सालय सतना पहुंचाया गया वर्तमान में महिला एवं बच्चा स्वस्थ हैं। रेलवे की इस सहायता के लिए महिला के परिजनों द्वारा रेल प्रशासन की सराहना की गई है।

शासकीय कला महाविद्यालय में मशरूम की खेती पर हुई तीन दिवसीय कार्यशाला

पनागर, यशभारत। शासकीय कला महाविद्यालय पनागर के आई.क्यू.ए.सी. एवं विज्ञान संकाय के संयुक्त तत्वाधान में त्रिदिवसीय कार्यशाला आज संपन्न हुई। महाविद्यालय में अध्ययन कर रहे ग्रामीण अंचल के छात्र-छात्राओं को लाभान्वित करने के लक्ष्य से स्वरोजगारोन्मुखी ÷मशरूम की खेती÷ पर सफल कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की विषय विशेषज्ञ प्रो. डॉ. सुषमा नेमा, पादप रोग विभाग, जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय जबलपुर ने प्रथम एवं द्वितीय दिवस के दौरान मशरूम की विभिन्न प्रजातियों की पहचान, क्षेत्र अनुसार खेती के लिए उपयुक्त प्रजातियों का चयन, आवश्यकताओ एवं आयस्टर मशरूम उत्पादन के विभिन्न चरणों को क्रमबद्ध तरीके से प्रयोग द्वारा विस्तृत रूप से बताया गया। दूसरे दिन विद्यार्थियों के समूह ने उपचारित भूसे की बिजाई कर बैग तैयार किए।

इस दौरान डॉ. नेमा द्वारा मशरूम के स्पॉन बीज के उत्पादन विधि को भी समझाया गया, उन्होंने जोर दिया कि विज्ञान के विद्यार्थियों के लिए स्पॉन निर्माण एक अच्छा आय का स्रोत बन सकता है। जिसमें सब्सट्रेट के रूप में साबुत अनाज उन्हें आसानी से उपलब्ध हो सकता है। कार्यक्रम के अंतिम दिन ई.एम.एल.एस. जबलपुर की निर्देशक डॉ. जया सिंह द्वारा मशरूम की खेती के द्वारा विभिन्न प्रकार के रोजगार साधनों पर प्रकाश डाला गया, उन्होंने मशरूम के बीज उत्पादन, मशरूम उत्पादन, मूल्य संवर्धन, विभिन्न उत्पादों के निर्माण बाजार व्यवस्था इत्यादि में संभावनाओं के बारे में बताया एवं विभिन्न चरणों में सहयोग का आश्वासन दिया।महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ पी. के. जैन एवं आईयूएसी की प्रभारी डॉ मोना गुप्ता के मार्गदर्शन में यह कार्यक्रम सफल रहा। महाविद्यालय के लगभग 98 छात्र लाभान्वित हुए। डॉ. रूबी शर्मा के संयोजन में आयोजित कार्यक्रम में विज्ञान संकाय के डॉ. लोकेन्द्र कुमार बोरकर, डॉ. अंकिता पाठक, डॉ. प्रशांत नामदेव उपस्थित रहे। कार्यशाला में सम्पूर्ण स्टॉफ का सहयोग सराहनीय रहा है

महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा ने 15 महिला रेलकर्मियों को किया सम्मानित

जबलपुर यशभारत। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में पश्चिम मध्य रेल महिला कल्याण संगठन द्वारा जबलपुर सहित तीनों मण्डलों पर सराहनीय कार्य करने वाली महिला रेल कर्मियों को सम्मानित किया। रेलवे में विभिन्न विभागों में कार्यरत कार्यालय अधीक्षक, सामान्य सहायकों, ट्रैकमैनों आदि को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से कुल 15 महिला रेल कर्मियों को सम्मानित किया गया। रेल सौरभ अधिकारी सभागार में पश्चिम मध्य रेलवे महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा श्रीमती संध्या गुप्ता की अध्यक्षता में एवं संगठन के अन्य पदाधिकारियों द्वारा रेलवे के प्रति समर्पण भाव से एवं निष्ठापूर्वक काम करने वाले विभिन्न स्टेशनों तथा विभिन्न विभागों में काम करने वाली महिला रेल कर्मचारियों के काम की सराहना की एवं प्रोत्साहन स्वरूप उन्हें सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अध्यक्षा श्रीमती संध्या गुप्ता द्वारा महिलाओं द्वारा किये जा रहे विभिन्न कार्यों का उल्लेख करते हुये अपने उद्बोधन में महिला दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई दी। पमरे के विभिन्न विभागों में कार्यरत सम्मानित महिला रेल कर्मियों में मुख्यालय जबलपुर से संगीता मिश्रा/कार्यालय अधीक्षक, आकृति चौकसे/वरिष्ठ ट्रैकमैन, मोनिका गौर/वरिष्ठ स्टेनो, मीना बाखुरु/मुख्य कार्यालय अधीक्ष, रूपा छत्री/मुख्य कार्यालय अधीक्षक, अनुशंसा सिन्हा/ वाणिज्य, तरनजीत कौर/लेखा विभाग, नम्रता पटेल/केन्द्रीय चिकित्सालय, श्वेता बर्मन/वरिष्ठ ट्रैकमैन, एरिक मैरी/यांत्रिकी, रेल सुरक्षा बल से शिवकुमारी चौहान/प्रधान आरक्षक, जबलपुर मण्डल से वर्षा यादव, भोपाल मण्डल से सुमंगला, कोटा मण्डल से संध्या एवं कारखाना भोपाल से नीलिमा बिल्लौरे आदि महिला रेलकर्मी शामिल हैं। इस कार्यक्रम में पश्चिम मध्य रेल मुख्यालय की महिला कल्याण संगठन की सचिव श्रीमती वंदना सक्सेना, कोषाध्यक्ष श्रीमती सुवर्णा, महिला कल्याण संगठन जबलपुर मण्डल की अध्यक्षा श्रीमती गुरमीत कौर एवं श्रीमती कविता कौरव, श्रीमती सुषमा गुप्ता सहित अन्य पदाधिकारी एवं सदस्याएं भी उपस्थित रहीं।

ओएफके सोसायटी में विजय भावे अध्यक्ष बने

जबलपुर यशभारत। गत दिनों शुरू हुए ओ एफ के को ऑपरेटिव निर्वाचन प्रक्रिया सोमवार को संचालन मंडल गठन के साथ ही समाप्त हो गई। निर्वाचन अधिकारी मुनव्वर खान के मौजूदगी में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष सहित अन्य समितियों में भेजे जाने वाले सभी प्रतिनिधियों का निर्वाचन किया गया , जिसमें मौजूदा 7 पदों हेतु नामांकन पत्र दाखिल हुए जिसमें सभी पदों के पदाधिकारी निर्विरोध चुन लिए गए , अध्यक्ष विजय भावे उपाध्यक्ष पद विनय कुमार एवं राजेंद्र प्रसाद मीणा के साथ अन्य प्रतिनिधियों के रूप में सतीन शर्मा , दीपक सैनी विजय कुमार एवं प्रियंका ठाकुर चयनित हुए। संचालन सदस्यों की सहमति से अनिल कुमार अग्रवाल सचिव नियुक्त हुए। संयुक्त संघर्ष समिति के ओ एफ के लेबर यूनियन कामगार यूनियन एवं एस सी-एस टी यूनियन ने शानदार अंश धारियों का धन्यवाद किया है संयुक्त संघर्ष समिति के नरेंद्र तिवारी ,नेम सिंह, रामप्रवेश , रूपेश पाठक, अर्नब दासगुप्ता ,पुष्पेंद्र सिंह, हरिहर मीणा ,शशि भूषण पासवान राजेंद्र चढ़ारिया प्रेम लाल सेन ने कहा कि घोषणापत्र का अक्षरशः पालन किया जाएगा।

आदिवासी गांव ढिलवार में फिर पैर पसारने लगी पानी की समस्या

तेंदूखेड़ा यभाप्र। एक तरफजहां जल संरक्षण और जमीनी जल स्तर को बढ़ावा देने की दिशा में जगह जगह अमृत सरोवर योजना के तहत तालाब खोदे जा रहे हैं। वहीं बरसात का पानी रोककर ट्रेचों के माध्यम से लाखों रुपए खर्च किए जा रहे हैं लेकिन स्वाधीनता की लड़ाई में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए देश के प्रति अंग्रेजों के हाथों प्राण गंवा कर बलिदान देने वाले शहीदों के वंसज आज पानी के लिए काफी लंबे समय से मशक्कत कर रहे हैं फिर भी उनकी स्थाई प्यास बुझती नजर नहीं आ रही है। पेयजल व्यवस्था के नाम पर ढिलवार में पानी की व्यवस्था को लेकर धरती का सीना चीरकर बड़ी संख्या में हेंडपंप खनन किये गये लेकिन आज तक यहां पर पानी उपलब्ध नहीं हो सका। गर्मी आते ही यहां के लोग परेशान दिखाई देने लगते हैं, क्योंकि जमीनी जल स्तर काफी नीचे खिसक जाता है और हेंडपंप पानी की जगह हवा उगलने लगते हैं। ढिलवार आदिवासी बाहुल्य ग्राम है, पहाड़ी के नीचे बसाहट होने की स्थिति में यहां पर दूर दूर तक पानी की कोई व्यवस्था नहीं है जिसे दृष्टिगत रखते हुए यहां पर ट्रेंच और तालाब भी इस हिसाब से खुदवाये जा रहे थे कि बरसात का पानी रुकेगा और जमीनी जल स्तर बढ़ेगा हेंडपंप पानी उगलेंगे लेकिन गर्मी की आहट के पूर्व ही जमीनी जल स्तर नीचे खिसकते ही पानी निकलना कम हो गया है। भीषण गर्मी के समय में यहां के लोग एक से दो किमी दूर से खेतों में स्थित कुंओं से साइकिलों के माध्यम से पानी भरकर लाते हैं। तथा वहीं पर निस्तार किया करते हैं ।यह कोई आज की समस्या नहीं है बल्कि अनेक वर्षों से यह समस्या बनी हुई है। गर्मी जाने के बाद कोई ठोस कदम नहीं उठाए जाने से स्थिति पुन: जस की तस हो जाती है। गौरतलब रहे कि ढिलवार के समीप पांच छ: वर्ष पूर्व यहां पर एक मुख्यमंत्री सरोवर योजना के तहत एक करोड़ छ: लाख रुपए की लागत से तालाब खोदा गया था लेकिन यह तालाब भ्रष्टाचार की भेंट पहली ही वारिस में चढ़ जाने से फूट गया था जिसमें आज तक एक बूंद भी पानी नहीं रुका। वरिष्ठ अधिकारियों ने निष्पक्ष जांच के साथ दोषियों पर कार्रवाई का भरोसा दिलाया था लेकिन आज तक इस जांच में क्या हुआ। किसी को कोई जानकारी तक नहीं है।

ओव्हर नाइट एक्सप्रेस लेकर आए सांसदद्वय का भव्य स्वागत

करेली यभाप्र। संसदीय क्षेत्र नर्मदापुरम-नरसिंहपुर के अंतर्गत नरसिंहपुर जिले के करेली रेलवे स्टेशन पर 10 मार्च को 22191/92 जबलपुर-इंदौर ओवरनाइट एक्सप्रेस के स्टापेज की बहुप्रतीक्षित सौगात देने वाले सांसदद्वय नर्मदापुरम-नरसिंहपुर सांसद उदय प्रताप सिंह व राज्यसभा सांसद कैलाश सोनी सहित भाजपा जिलाध्यक्ष अभिलाष मिश्रा के स्वागत हेतु रात के 1 बजे भी बड़ी संख्या में जनसमूह उमड़ा। ओवरनाइट एक्सप्रेस लेकर करेली आए सांसद द्वय का पुष्प वर्षा, आतिशबाजीए ढोल नगाड़ों से रेलवे स्टेशन में ऊर्जापूर्ण अभिनंदन किया गया।

प्रारंभ में सांसदद्वय ने ग्रीन सिग्नल दिखाकर ट्रेन को गंतव्य की ओर रवाना किया। तदंतर नागरिक अभिनंदन समारोह समिति द्वारा आयोजित स्वागत मंच पर पहुंचे सांसदद्वय का सौगात हेतु जोरदार अभिनंदन किया गया। समारोह को संबोधित करते हुए राज्यसभा सांसद कैलाश सोनी ने कहा कि संपूर्ण क्षेत्रवासी व विद्यार्थी सौगात से प्रसन्न हैं। यह बहुप्रतीक्षित मांग पूरी हुई है, इंदौर हमारा व्यापारिक केंद्र व एजुकेशन हब भी है। लोग देर रात नरसिंहपुर, गाडरवारा से इस ट्रेन में आवाजाही करते थे और परेशान होते थे। हम दोनों सांसदए मैं और उदय प्रताप सिंह इस हेतु मिलकर प्रयास नहीं करते तो यह कार्य कठिन था। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नर्मदापुरम-नरसिंहपुर सांसद उदय प्रताप सिंह ने कहा कि 2014 के बाद से सरकार इंफ्रास्ट्रक्चर को लेकर लगातार कार्य कर रही है।

कार्यक्रम का संचालन पत्रकार आशीष अग्रवाल ने किया एवं आभार प्रदर्शन करते हुए सांसद प्रतिनिधि जगदीश मिश्रा ने देर रात्रि बड़ी संख्या में पधारे नागरिकों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की। ओवरनाइट की सौगात हेतु अभिनंदन समिति की ओर से सांसद श्री राव का सांसद प्रतिनिधि जगदीश मिश्रा, सुरेश नेमा, संतोष रघुवंशी, विजय नेमा, संदीप ममार, रजत चौहान ने शाल, श्रीफल, पुष्पाहारो से अभिनंदन किया एवं राज्यसभा सांसद श्री सोनी का नारायण श्रीवास्तव, गौतम जैन, सुरेंद्र मोहन नेमा, अखिलेश ज्योतिषी, नीरज लूनावत, संतोष बनवारी ने अभिनंदन किया। पुष्पाहारो से अतिथि स्वागत उदय ठाकुर, राजकुमार जैन, कमलेश लुलावत, उपेंद्र कॉले, बृजेश माते, राजेश दुबे, मुकेश रघुवंशी, शंकर चौधरी, विनीत जैन, मनोज जाट, अजीत छाबड़ा, सतीश शुक्ला, राज महेंद्र यादव, संजय ब्रजपुरिया, अनिल दुबे, बाबू भसीन, हेमंत मेहरा, रमेश जाट, संजय जैन नेपाली, पल्लू चौरसिया, खालिक कुरैशी, संगीता शैलजा शर्मा, दीपक शर्मा, सुनील सोनी, अरुण झारिया, कैलाश रघुवंशी, सुरेश ठाकुर, जितेंद्र गुप्ता, प्रवीण कौरव, विवेक खासकलम, राकेश बड़कुर, गोल्डी नेमा, गजेंद्र आचार्य, मनोज लूनावत, जितेंद्र स्वामी, अभिषेक रघुवंशी, अंकित अग्रवाल, नवीन नेमा, चेतन साहनी, अंकित पांडे, राजेश चौरसिया, दिनेश अग्रवाल, शैलेश अग्रवाल, अमित जैन संजय, चंचल गुप्ता सहित युवा मोर्चा के सदस्यों ने बड़ी माला से किया। परंपरागत ट्रेन के चालकों का पुष्पाहार, श्रीफल, मिष्ठान से स्वागत पार्षद संगीता शैलजा शर्मा, दीपक शर्मा, सुनील सोनी, चंचल गुप्ता ने एवं गार्ड का स्वागत अर्जुन लांबा, आयुष दुबे ने किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में क्षेत्रीयजन, पत्रकारगण व रेल विभाग के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

टीम इंडिया बनी नंबर 1!

ऑस्ट्रेलिया को यहां भी छोड़ दिया पीछे

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम ने सोमवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ लगातार चौथी बार बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी पर कब्जा किया है। पिछले कुछ सालों में टीम इंडिया टेस्ट में काफी मजबूती से उभरकर आई है। ऐसा नहीं है कि सिर्फ घर पर टीम ने अच्छा प्रदर्शन किया है, विदेश में भी टीम ने ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड जैसी टीमों को उनके घर में धूल चटाई है। घरेलू रिकॉर्ड की बात करें तो पिछले कुछ सालों में तो टीम इंडिया को उसकी सरजमीं पर हराना अन्य टीमों के लिए मुश्किल ही नहीं नामुमकिन रहा है। ऐसा ही एक आंकड़ा हम आपको बताने जा रहे हैं जहां टीम इंडिया ने ऑस्ट्रेलिया को पछाड़कर नंबर 1 की कुर्सी पर कब्जा कर लिया है। आपको बता दें कि अक्सर कहा जाता था कि ऑस्ट्रेलिया को उसके घर में हराना आसान नहीं है। कुछ मैदान तो ऐसा भी थे जैसे ब्रिसबेन का गाबा, पर्थ का वाका जहां ऑस्ट्रेलियाई टीम विरोधियों को चुटकी में चित कर देती थी। पर पिछले कुछ सालों में टीम इंडिया ने कंगारुओं के इस गुरूर को उनके घर में जाकर ही तोड़ा है। यही कारण है कि अगर इस सदी की सबसे बड़ी टीम की बात करें तो वो अब टीम इंडिया बन गई है। 1 जनवरी 2000 से अभी तक के होम रिकॉर्ड पर नजर डालें तो भारतीय टीम टॉप पर है। दुनिया की टॉप-8 टीमों की इस लिस्ट में भारतीय टीम का विनिंग पर्सेंट सबसे अधिक 78.95 का है। वहीं ऑस्ट्रेलिया दूसरे पायदान पर 78.05 विनिंग पर्सेंट के साथ है। गौरतलब है कि यह विनिंग पर्सेंट मैचों का नहीं बल्कि सीरीज जीत का है। टीम इंडिया ने ऑस्ट्रेलिया को इस बार की बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में बहुत ही आसानी से धूल चटा दी। एक इंदौर टेस्ट को छोड़ दिया जाए तो हर जगह भारतीय टीम का ही दबदबा देखने को मिला। भारतीय स्पिनर्स के आगे ऑस्ट्रेलिया के टॉप बल्लेबाजों के पास भी निपटने का कोई विकल्प नहीं था। यही कारण है कि सीरीज के पहले दोनों टेस्ट ऑस्ट्रेलियाई टीम ढाई दिन में ही हार गई थी। इसके बाद इंदौर के सबसे ज्यादा टर्निंग ट्रैक पर भारतीय टीम भी डगमगा गई। लेकिन अहमदाबाद के पाटा विकेट पर भारतीय बल्लेबाजों ने कंगारू गेंदबाजों को खूब छकाया। अब टेस्ट के बाद दोनों टीमों का आमना-सामना होगा 17 मार्च से शुरू होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज में।

कपिल ने प्रधानमंत्री को शो पर आने का दिया न्यौता

नई दिल्ली, एजेंसी। हाल ही में अपनी आगामी फिल्म ज्विगाटो के प्रमोशन के दौरा न मशहूर कॉमेडियन कपिल शर्मा ने खुलासा किया कि उन्होंने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी शो पर आने का न्यौता दिया था। बातचीत के दौरान जब कपिल शर्मा ने पूछा गया कि क्या वह कभी शो पर पीएं मोदी को इनवाइट करेंगे? तो इसके जवाब में कॉमेडियन ने कहा कि बताते हैं कि मैं जब भी उन्हें पर्सनली मिला तो मैंने उनसे कहा कि सर कभी हमारे शो पर भी आए जाइए आप... तो उन्होंने मना को नहीं किया लेकिन वह मुझसे कहते हैं कि अभी तो मेरे विरोधी बहुत कॉमेडी कर रहे हैं, हम आएंगे कभी। अगर वह आएंगे तो हमारा सौभाग्य की बात होगी। बता दें कि कपिल इन दिनों अपनी नई फिल्म ज्विगाटो को लेकर खूब चर्चा में है।

दर्शकों को पागल कर दिया नोरा फतेही ने

नई दिल्ली, एजेंसी। बालीवुड एक्ट्रेस नोरा फतेही ने प्रभावशाली प्रदर्शन से सभी का दिल जीत लिया और दर्शकों को पूरी तरह से पागल कर दिया। नोरा ने कल शाम डलास में द एंटरटेनर्स टूर के तीसरे चरण की शुरुआत एक प्रभावशाली प्रदर्शन के साथ की। फैशन और पावर डांस मूव्स के खूबसूरत मिश्रण से भरपूर, वह जब भी मंच पर आती हैं तो धमाल ही मचाती हैं। कोई भी दर्शकों की प्रतिक्रिया का अंदाजा लगा सकता है और महसूस कर सकता है कि वह अपनी पूरी मंचीय उपस्थिति के साथ दर्शकों पर कितनी शक्ति रखती है, जो हमें कोरियोग्राफी के साथ बॉलीवुड बीट्स और अंतर्राष्ट्रीय नंबरों का मिश्रण प्रदान करती है। एक पूर्ण कलाकार होने का सर्वांगीण गुण होना निश्चित रूप से काफी दुर्लभ है। दर्शकों में मौजूद राष्ट्रीयताओं के मिश्रण को भी देखा जा सकता है, जो इसे वास्तव में एक वैश्विक कार्यक्रम बनाता है।

टीवी सीरियल गुम है किसी के प्यार में के सेट पर लगी आग

नई दिल्ली, एजेंसी। गोरेगांव स्थित दादासाहेब फाल्के फिल्म सिटी में एक हिंदी सीरियल की शूटिंग के दौरान सेट पर भीषण आग लग गई। बीएमसी आपदा नियंत्रण ने इसकी जानकारी दी। गुम है किसी के प्यार में के सेट पर सबसे पहले आग लगी और कहा जा रहा है कि आग स्टूडियो के 2,000 वर्ग फुट के भूतल तक ही सीमित थी। हालांकि, तभी तेज हवाओं के कारण आग की लपटें तेजी से फैल गईं और आसपास के चार अन्य सेट को अपनी चपेट में ले लिया। जिससे मौजूद लोगों में दहशत फैल गई। चश्मदीद के मुताबिक, जलते हुए सेट से निकलने वाले धुएं के गुबार काफी दूर तक दिखाई दे रहे थे, कई लोग चिल्ला रहे थे, रो रहे थे और धुएं से बचने के लिए इधर-उधर भाग रहे थे। सूचना के बाद दमकल विभाग की पांच गाड़ियों ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाने का प्रयास शुरू किया।

ब्रैड पिट से कभी नहीं मिली शानिया ट्वेन

नई दिल्ली, एजेंसी। सिंगर-अभिनेत्री शानिया ट्वेन का मानना है कि हॉलीवुड स्टार ब्रैड पिट उनसे दूरी बना रहे हैं। 57 वर्षीय कंट्री आइकॉन ने 1998 की अपनी हिट दैट डोंट इम्प्रेस मी मच में फाइट क्लब स्टार का संदर्भ दिया, लेकिन स्वीकार किया कि चार्ट-टॉपिंग ट्रैक में उनके बारे में लिखे जाने के बावजूद वह अभी तक उनसे नहीं मिली हैं। यह पूछने पर कि क्या वह यूट्यूब सीरीज चिकन शॉप डेट पर एक उपस्थिति के दौरान कभी किसी रॉकेट वैज्ञानिक से मिली थी, उन्होंने कहा कि नहीं। मैंने ब्रैड पिट के बारे में लिखा। मैं ब्रैड पिट से कभी नहीं मिली। मुझे लगता है कि वह मुझसे बच रहे है, ईमानदारी से! इस बीच, मैन! आई फील लाइक ए वूमेन! हिटमेकर, जिनका असली नाम एलीन रेजिना ट्वेन है, ने हाल ही में अपना कमबैक एल्बम क्वीन ऑफ मी रिलीज किया है। उन्होंने कहा- क्वीन ऑफ मी का मतलब है कि मैं अपनी खुद की बॉस हूं। मैं अपनी बस खुद चलाती हूं। मैं बहुत सी चीजें चला सकता हूं। लेकिन वास्तव में मेरा मतलब यह है कि मैं खुद की जिम्मेदारी ले सकती हूं। मैं खुद की जिम्मेदारी लेती हूं।

आखिरकार मैरीकॉम ने बनाया रिटायरमेंट का प्लान, बताया कब आखिरी बार करती नजर आएंगी बॉक्सिंग

मुंबई, एजेंसी। भारत की महान मुक्केबाज एमसी मैरीकॉम अपने करियर के आखिरी दौर में पहुंच चुकी हैं। भारत के लिए 6 बार वर्ल्ड चैंपियन बनने के साथ ओलंपिक मेडल जीतने वाली मैरीकॉम ने अपनी रिटायरमेंट का प्लान कर लिया है। एशियन गेम्स से पहले मैरीकॉम ने एक बड़ा बयान दिया है। एमसी मैरीकॉम के पास पूर्ण फिटनेस हासिल करने के लिए अधिक समय नहीं हैं क्योंकि उनकी नजरें एशियाई खेलों के साथ मुक्केबाजी को अलविदा कहने पर टिकी हैं। मैरीकॉम को अगले साल संन्यास लेने के लिए 'बाध्य' होना पड़ेगा। पिछले साल राष्ट्रमंडल खेलों के चयन ट्रायल के दौरान अपने बाएं घुटने के मुड़ने के कारण इस अनुभवी मुक्केबाज का एंटीरियर क्रूसिएट लिगामेंट (एसीएल) टूट गया था और अगस्त में उन्हें सर्जरी करानी पड़ी। मैरीकॉम ने महिला विश्व चैम्पियनशिप से पहले भारतीय टीम की जर्सी के अनावरण के मौके पर कहा कि राष्ट्रमंडल खेलों के ट्रायल के दौरान जो हुआ वह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण था। मुझे बड़ी चोट लगी और मुझे सर्जरी करवानी पड़ी। उन्होंने कहा कि मैं जल्द वापसी की कोशिश कर रही हूं क्योंकि मेरे पास केवल इस साल का समय है, अगले साल मैं संन्यास लेने के लिए मजबूर हो जाऊंगी। इसलिए इस साल मैं संन्यास से पहले किसी भी प्रतियोगिता में भाग लेना चाहती हूं। नियमों के मुताबिक मुक्केबाज के लिए भागीदारी की अधिकतम उम्र 40 साल है और मणिपुर की यह मुक्केबाज नवंबर में 41 साल की हो जाएगी। मेरीकोम ने कहा मैं संन्यास नहीं लेना चाहती। मैं अगले पांच सालों तक प्रतिस्पर्धा करना चाहती हूं लेकिन 40 की उम्र से ऊपर हम प्रतिस्पर्धा नहीं कर सकते, यही नियम है। उन्होंने कहा कि मेरा मुख्य लक्ष्य एशियाई खेल हैं, उम्मीद है कि मैं तब तक ठीक हो जाऊंगी। मेरे पास तैयारी के लिए भी समय होगा। संन्यास से पहले इस साल एक बार प्रतिस्पर्धा करना मेरा सपना है। पिछले साल स्थगित किए गए एशियाई खेल इस साल 23 सितंबर से 8 अक्टूबर तक होने हैं। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में चयन के लिए लंदन ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता मैरीकॉम को नई चयन प्रक्रिया से गुजरना होगा जिसके लिए मुक्केबाज को राष्ट्रीय शिविर में एक मूल्यांकन परीक्षा से गुजरना होगा।

महेश भट्ट बोले- लोग मुझे नाजायज औलाद बुलाते थे-पिता ने मां को कभी नहीं दिया पत्नी का दर्जा, उन्हें हमेशा अपना धर्म छिपाकर रहना पड़ा

मुंबई, एजेंसी। डायरेक्टर महेश भट्ट हाल ही में अरबाज खान के चैट शो द इनविन्सिबल्स विद अरबाज खान में पहुंचे। इस दौरान उन्होंने अपनी जिंदगी से जुड़े कई ट्रैजिक किस्से शेयर किए। इंटरव्यू के दौरान महेश भट्ट ने बताया कि उनका बचपन बेहद मुश्किलों भरा रहा। पिता नानाभाई भट्ट पहले से ही शादीशुदा थे इस वजह से उन्होंने जीते-जी महेश की मां को कभी भी पत्नी का दर्जा नहीं दिया। यही वजह थी कि बचपन में लोग महेश को नाजायज औलाद कहकर चिढ़ाया करते थे।

मां चाहती थी पिता उन्हें स्वीकार कर लें

महेश ने बताया उनकी मां मुस्लिम थीं, लेकिन हिंदू इलाके में रहने की वजह से उनकी मां को अपना धर्म छिपाकर रहना पड़ा था। बातचीत के महेश ने कहा- मेरी मां केवल इतना चाहती थीं कि उन्हें मेरे पिता नानाभाई भट्ट स्वीकार कर लें, लेकिन क्योंकि वो पहले से ही शादीशुदा थे और उनका अपना परिवार था, इसलिए उन्होंने कभी भी मां को उनका हक नहीं दिया था।

निधन के बाद पिता ने मां की मांग में भरा था सिंदूर- महेश

महेश भट्ट ने उस मुश्किल के दौर को याद करते हुए लिखा- 'जब 1998 में मेरी मां का देहांत हुआ, तो उनकी आखिरी इच्छा थी कि उन्हें उनके धर्म के अनुसार दफन किया जाए। मेरे पिता अपनी पहली पत्नी के साथ अंतिम संस्कार के लिए आए थे, तो उन्होंने पहली बार उनकी मांग में सिंदूर लगाया था।'

'यह देखकर मैं हैरान रह गया, मैंने यही सोचता रह गया कि उन्हें यह करने में बहुत देर हो गई। उस घटना ने मुझे तोड़कर रख दिया। मां हमेशा चाहती थीं कि पिता उन्हें सबके सामने स्वीकार करें, लेकिन अफसोस ऐसा नहीं हो सका।'

पिता ने नहीं पूरी की मां की इच्छा

महेश बोले- जब मैंने पिता को मां की अंतिम इच्छा के बारे में बताया कि वो चाहती थीं कि उन्हें वहीं दफनाया जाए जहां उनकी मां को शिया कब्रिस्तान में दफनाया गया है। यह कहते हुए जब मैंने उनकी तरफ देखा तो उनका चेहरा पूरी तरह से पीला पड़ गया था। उन्होंने हाथ जोड़कर मुझे कहा कि माफ कर दे बेटा, मेरा धर्म मुझे वहां जाने की इजाजत नहीं देता। उनकी की इस बात से मेरा दिल बुरी तरह टूट गया।

मैं तो बेटा हूं, मुझे तो जाना पड़ेगा

महेश ने आगे बताया - मैं पिता से गुस्सा नहीं था, लेकिन मैंने कहा मैं तो बेटा हूं। मुझे तो जाना पड़ेगा। यह अधिकार देने से मुझे ऊपर वाला भी इनकार नहीं कर सकता। महेश मानते हैं कि उनके पिता अपनी परवरिश के कैदी थे, लेकिन इस वाकये ने उन्हें जीवन भर के लिए डरा दिया। उनकी बात करते हुए मेरी आंखों में अभी भी आंसू हैं।बता दें कि 1998 में आई फिल्म जख्म महेश भट्ट के बचपन पर आधारित है, जिसमें एक्ट्रेस पूजा भट्ट ने उनकी मां पर आधारित किरदार निभाया है।

काले रंग के कारण थिएटर-होटल में नो-एंट्री

ऑस्कर विनर हैटी को गोरों के साथ बैठना भी मना था

मुबई, एजेंसी। फिल्मी दुनिया के लिए ऑस्कर से बड़ा कोई अवॉर्ड नहीं है। आज हम आपके लिए एक ऐसी ऑस्कर विनर एक्ट्रेस की कहानी लेकर आए हैं, जिसने हॉलीवुड फिल्मों का नक्शा बदलने की शुरुआत की। इस एक्ट्रेस का नाम था हैटी मैक्डेनियल। हैटी ब्लैक यानी अश्वेत थीं। 1930-40 का दौर था, जब दुनिया में अश्वेतों के साथ भेदभाव किया जाता था।

हॉलीवुड फिल्मों में ब्लैक एक्टर्स को सिर्फ नौकरों का ही रोल मिलता था। ना सेट पर कोई सुविधा और ना ही उतना पैसा जितना गोरे कलाकारों को मिलता था। यहां तक कि कपड़े बदलने के लिए भी कोई अलग ड्रेसिंग रूम नहीं होता था। उस दौर में हैटी ने अपना फिल्मी सफर शुरू किया। नौकरों के ही रोल मिले लेकिन उनमें भी जान डाल दी।

नतीजा, 1939 में आई हॉलीवुड की लैंडमार्क रोमांटिक फिल्म गॉन विथ द विंड में नौकरानी के रोल के लिए ही हैटी को बेस्ट सपोर्टिंग एक्ट्रेस का ऑस्कर अवॉर्ड मिला। इतिहास में पहली ब्लैक कलाकार थी, जिसे ये सम्मान मिला। हैटी ने अपने जीवन में काफी संघर्ष किया। पिता युद्ध में हारे हुए गुलाम थे। मजदूरी करके घर चलाते थे। हैटी जब पैदा हुई तो वो कुपोषित थीं, क्योंकि घर की इतनी कमाई भी नहीं थी कि पेटभर खाना मिल सके।

क्लब में नौकरी की, तो वहां वॉशरूम अटेंडर का काम मिला। फिल्मों में आई तो काले रंग के कारण इतना भेदभाव झेलना पड़ा कि जिस फिल्म में इन्होंने काम किया, उसके प्रीमियर में भी उन्हें नहीं जाने दिया गया क्योंकि उस थिएटर में अश्वेतों का आना मना था। हैटी ने 4 शादियां कीं, चारों नाकाम रहीं। एक बार प्रेग्नेंट हुई लेकिन मिसकैरेज के कारण मां नहीं बन पाई।

पैदा होने से शुरू हुआ काले-गोरे का भेद 1952 में हैटी की मौत तक जारी रहा। उनकी आखिरी इच्छा थी कि उन्हें उस कब्रिस्तान में दफनाया जाए जहां गोरे एक्टर्स को दफनाया जाता है, लेकिन इस ख्वाहिश से ही गोरों की भौंहें तन गईं। उन्हें गोरे लोगों के उस कब्रिस्तान तक में जगह नहीं मिली। उनकी मौत के बाद उनका वो ऑस्कर अवॉर्ड भी रहस्यमयी तरीके से चोरी हो गया क्योंकि कई गोरे लोगों को उनका ये अवॉर्ड जीतना रास नहीं आया था।

13 भाई-बहनों में सबसे छोटी थीं हैटी, कुपोषित पैदा हुई थीं

हैटी मैक्डेनियल का जन्म 1893 को स्के विचिटा शहर में हुआ। ये 13 भाई-बहनों में सबसे छोटी थीं। परिवार इतना गरीब था कि उनके खाने-पीने के भी लाले पड़े हुए थे। नतीजतन हैटी कुपोषित पैदा हुई। उनका वजन आम नवजात बच्चों से काफी कम महज 1.5 किलो था।

कई दिनों तक भूखा रहता था परिवार

हैटी का परिवार सालों तक सिविल वॉर और गुलामी के डर के साए में रहा। इनके माता-पिता सुजैन और हैनरी मिड-एटलांटिक साउथ में पैदा हुए थे, जो गुलाम थे। 1864 को इनके पिता हैनरी सिविल वॉर में शामिल हुए थे, जिसके लिए इन्हें नाशविले की क्रूर जंग में भेजा गया था। जंग के दौरान हैनरी के मुंह की एक हड्डी टूटी थी। जंग के माहौल में सही इलाज ना मिलने पर उनके जख्म खुले रह गए और इंफेक्शन फैल गया। जंग खत्म हुई तो शरीर कमजोर हो चुका था, लेकिन

घर चलाने के लिए हैनरी मजदूरी करते थे। जब 1893 में हैटी का जन्म हुआ तो एक साल बाद परिवार पलायन कर अमेरिका के डेनवर शहर में आ गए। यहां भी गरीबी में इनके परिवार को कई दिनों तक भूखा रहना पड़ता था। कुछ सालों बाद घर का खर्च स गवर्नमेंट से मिलने वाली पेंशन से चलने लगा, लेकिन बाद में डॉक्यूमेंट्स की कमी से वो पेंशन भी बंद हो गई।

जो गोरे, अफीकन का मजाक उड़ाते थे उन्हीं के लिए लिखती थीं गाने

1908 में हैटी ने डेनवर वेस्ट हाई स्कूल में पढ़ाई शुरू की। यहां होने वाले सिंगिंग कॉम्पिटिशन में हैटी ने पहला स्थान हासिल किया। इसके बाद से ही हैटी अपने भाई-बहनों के साथ प्ले में हिस्सा लेने लगीं। इनका भाई ओटिस मिंस्टेल शो नाम की कार्निवाल कंपनी में काम किया करता था। ये अपनी तरह का इकलौता कार्निवाल शो था, जिसमें अमेरिकन लोग अफ्रीकन लोगों की तरह तैयार होकर उनका मजाक बनाते थे।

हैटी भी इनके ड्रामा के लिए बनाए जाने वाले गाने लिखने लगीं। 1916 में भाई की मौत के बाद हैटी ने खुद भी ये काम छोड़ दिया। चंद दिनों के संघर्ष के बाद इन्हें 1920 में रेडियो में गाने की नौकरी मिल गई। हैटी की आवाज इतनी बेहतरीन थी कि इनके गाए गाने रिकॉर्ड किए जाने लगे।

स्टॉक मार्केट क्रैश हुआ तो बाथरूम अटेंडर बनकर किया काम

1929 में स्टॉक मार्केट क्रैश होने से सारे सिंगर्स को नौकरी से निकाल दिया गया, हैटी की भी नौकरी चली गई। परिवार का खर्च उठाने के लिए हैटी ने नाइटक्लब सबर्बन इन में बाथरूम अटेंडर बनकर काम किया। एक दिन उस नाइटक्लब के बंद होने से पहले ही सारे सिंगर्स घर निकल गए। भीड़ परफॉर्मेंस का इंतजार कर रही थी तो हैटी खुद स्टेज पर जाकर गाने लगीं। उनकी परफॉर्मेंस इतनी बेहतरीन थी कि नाइटक्लब के मालिक ने उन्हें ही सिंगर की जगह दे दी। 2 साल बाद ग्रेट डिप्रेशन के समय नाइटक्लब बंद होने से फिर हैटी की नौकरी चली गई।

20 डॉलर पर्स में डालकर पहुंच गई थीं हॉलीवुड

नौकरी जाने पर हैटी ने एक दिन हॉलीवुड जाने का फैसला किया। उन्होंने अपनी जमापूंजी पर्स में डाली जो महज 20 डॉलर थी और हॉलीवुड के लिए रवाना हो गईं। इनका भाई सैम पहले ही एक्टर था। यहां उन्होंने कभी नौकरानी का काम किया, कभी कुक का। एक रेडियो शो में इनको 'हे हेट हैटी' नाम से एक प्रोग्राम मिला, जिसमें वो मालिकों को परेशान करने की बात करती थीं। सैलेरी इतनी कम थी कि रेडियो में प्रोग्राम आने के बावजूद ये मेड की तरह काम करती रहीं।

पहला रोल मिला तो वो भी नौकरानी का

कुछ सालों के संघर्ष के बाद 1937 में हैटी को हॉलीवुड फिल्मों में मजाकिया नौकरानियों के रोल दिए जाने लगे। हॉलीवुड फिल्मों में इस तरह के रोल करना लोग अपमानजनक समझते थे, लेकिन हैटी ये रोल खुशी-खुशी करने को तैयार थीं। ब्लैक कम्यूनिटी के लोगों ने भी इनको मिलने वाले ऐसे रोल्स का विरोध किया। ब्लैक कम्यूनिटी के लोग चाहते थे कि हैटी ये रोल न करें।

बड़ी फिल्म मिली तो गोरों ने किया जमकर विरोध

1939 की फिल्म गॉन विद द विंड में हैटी मैक्डेनियल को मैमी नाम की एक नौकरानी का रोल मिला। फिल्म की हीरोइन ब्रिटिश विवियन लीग थीं। फिल्म की कास्टिंग से ही रंगभेद पर बड़ी बहस छिड़ गई। मालकिन गोरी और सारी नौकरानियां ब्लैक। कई विवादों के बाद फिल्म बनना शुरू हुई। हैटी के अलावा फिल्म में बटरफ्लाई मैक्क्वीन नाम की ब्लैक एक्ट्रेस भी थीं, जिन्हें भी नौकरानी का रोल दिया गया था।

जब उन्होंने अपने रोल के खिलाफ आवाज उठाई और कहा कि हीरोइन को उन्हें थप्पड़ मारने के लिए माफी मांगनी चाहिए तो उल्टा उन्हीं की लाइन्स कम कर दी गई। मैक्डेनियल ये देखकर बटरफ्लाई को खींचकर एक तरफ ले गईं और कहा, ऐसा मत करो वरना तुम दोबारा कभी हॉलीवुड में काम नहीं कर सकोगी।

ये वो दौर था जब हॉलीवुड में रंगभेद चरम पर था। हॉलीवुड में गिने-चुने ही ब्लैक कलाकार थे, जिन्हें ज्यादातर नौकरों का या गुंडों का ही रोल दिया जाता था। इनमें ज्यादातर या तो नौकरों के रोल होते या ऐसे लोगों का जिनका मजाक बनाया जाता था। हालात इतने बदतर थे कि लंबे रोल मिलने के बावजूद ब्लैक आर्टिस्ट को मेक अप रूम तक में जगह नहीं दी जाती थी, जबकि दूसरे आम कलाकारों के लिए भी ड्रेसिंग रूम बनाए गए थे।

केंट बोर्ड चुनाव 2023

कहीं शौचालय के दरवाजे-पाइप लाइन टूटे तो कहीं जमा है गंदगी का अंबार

जबलपुर यशभारत। केंट बोर्ड 2023 के चुनाव आने वाले हैं और केंट के आठ वार्डों में चुनाव बिगुल बज चुका है। जहां एक ओर कांग्रेस-भाजपा अपनी-अपनी सीटों पर अभी भी जनता का विश्वास जीतने की बात कहकर चुनाव मैदान में दोबारा जीत की बात कर रही है तो वहीं दूसरी तरफ क्षेत्र की जनता का रूझान कुछ और ही बयां कर रहा है। यशभारत केंट बोर्ड चुनाव के इन सभी 8 वार्डों में जाकर जनता की राय ले रहा है। इसी कड़ी में यशभारत केंट के वार्ड नंबर 5 और वार्ड नंबर 6 में पहुंचा जहां पर इन दोनों वार्डों की स्थिति जानी गई। वार्ड नंबर 5 में जहां क्षेत्रीय लोगों ने जिम्मेदारों पर भ्रष्टाचारी का आरोप लगाते हुए सफाई व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं। वार्ड नंगर 5 की हकीकत स्थानीय लोगों ने बताते हुए यशभारत को बताया कि क्षेत्र की कई जगह की नालियां चोक है जहां किसी का भी कोई ध्यान नहीं जा रहा है। जबकि जिम्मेदारों को कई बार इस परेशानी से अवगत करा दिया गया है। वार्ड 6 के बगीचों वाले इलाकों को लेकर पार्षद सुंदर अग्रवाल का कहना है कि हमने पूरे क्षेत्र में काम कराया है लेकिन बगीचों वाली जगहों पर हमे विकास कार्य कराने की अनुमति नहीं है। तो वहीं वर्ष 2020 तक वार्ड 5 के पार्षद रहे अभिषेक चौकसे ने कहा है कि मैंने अपने कार्यकाल में हर संभव विकास कार्य कराए हैं। लेकिन वार्ड नंबर 6 के बगीचों वाले एरिया में रहने वाले अब केंट प्रशासन और पार्षद के बीच अधर पर लटककर रह गए है। नतीजा ये है कि सुविधाओं से उन्हें वंचित रहना पड़ रहा है।

वार्ड नंबर 5 की स्थिति

वार्ड नंबर 6 में शौचालय की दयनीय स्थिति

वार्ड नंबर 5 में टूटा फूटपाथ

कुछ इस तरह की स्थिति आई सामने

वार्ड नंबर 5 के अंतर्गत सेठ मोहल्ला, मेंहदीबाग, चंसोरिया कंपाउंड, सदर गली नंबर 6 से लेकर 10 तक का क्षेत्र शामिल है जबकि वार्ड नंबर 6 के अंतर्गत गोराबाजार वाला एरिया शामिल है। वहीं दूसरी तरफ वार्ड नंबर 6 में भी निसार अहमद के बाड़े के पास बने शौचालय की स्थिति बेहद दयनीय है। यशभारत जब यहां पहुंचा तो देखा गया कि शौचालय के दरवाजे टूटे हुए हैं, पाइप लाइन टूटी पड़ी है और गंदगी लबालब है। यहां के लोगों का कहना है कि पार्षद ने शौचालय बनवा तो दिया लेकिन उसकी देखरेख की जिम्मेदार किसी को नहीं दी, आलम यह है कि यहां रहने वाले बहुत से ऐसे परिवारों के लोगों को निस्तार के लिए जंगल जाना पड़ता है जिनके घर निस्तार की कोई व्यवस्था नहीं थी और वे सिर्फ इसी शौचालय के भरोसे थे। वजह जो भी हो लेकिन यशभारत को नाम न छापने की शर्त पर केंट बोर्ड के वार्ड नंबर 5 की गली नंबर 6 के कुछ रहवासियों ने जो सच्चाई बयां की वो वाकई आश्चर्यजनक रही। इन लोगों ने बताया कि हम लोग तंग गलियों में रहते हैं। यहां इतनी बदबू और गंदगी रहती है, नाली गंदगी से महीनों बजबजाती रहती है लेकिन कोई भी जिम्मेदार यहां झांकने तक नहीं आता। आलम यह रहता है कि हम लोगों को मुंह में कपड़ा बांधकर भी घर क अंदर रहना पड़ा है क्योंकि बाहर की बदबू पूरी हम लोगों के घरों के अंदर घुसती है।

वार्ड क्रमांक 5 और 6 का यश भारत सर्वे

6

-हमारे निसार अहमद के बाड़े में बिजली से लेकर पानी की पर्याप्त व्यवस्था है। मैं क्षेत्रीय पार्षद के काम से खुश हूं। लेकिन घर के पीछे का शौचालय की पाइप लाइन पीछे से टूट गई है।

--इश्ताक अहमद, स्थानीय नागरिक।

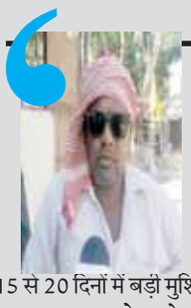

-- शौचालय टूटे पड़े हैं। गंदगी चारों तरफ फैली हुई है। शौचालय में इतनी गंदगी रहती है कि वहां कोई नहीं जाता। सफाई कर्मी 15 से 20 दिनों में बड़ी मुश्किल से नजर आते हैं।

--मुकेश बेन, स्थानीय नागरिक।

- क्षेत्रीय पार्षद ने हमारे क्षेत्र में शौचालय तो बनवा दिया लेकिन उनकी देखरेख कभी नहीं की। जिसका नतीजा है कि शौचालय में गंदगी भरी रहती है और पाइप लाइन टूटी पड़ी है। हम लोगों को निस्तार के लिए जंगल की ओर जाना पड़ता है।

--शब्बीर अहमद, स्थानीय नागरिक।

5

--हम लोगों के वार्ड क्रमांक 5 पूरी तरह से भ्रष्टाचारी की भेंट चढ़ चुका है। सदर चौपाटी से दुकानदारों से कमीशन के चक्कर में वहां के फूल वालों को चौपाटी के बाहर कर दिया है। क्षेत्रीय पार्षद ने हमारे क्षेत्र में कोई विकास कार्य नहीं किया है।

--अजय कपूर, स्थानीय नागरिक।

-हमारे क्षेत्र की नालियां चोक हैं। पीपल चौक पर बनाया गया डुप्लीकेट पेड़ से छांव नहीं आती इसलिए वहां भीड़ नहीं लगती है। इससे हमारे व्यापार में भी असर पड़ा है। पीपल के पेड़ के पास एक मंदिर था वो भी अब अलग हो चुका है। क्षेत्र की नालियों गंदगी भी हम लोगों को परेशान कर रही है।

--अविनाश महावर, गली नंबर 4 सदर बाजार, पीपल चौक।

--नालियों के चैंबर ठीक नहीं है। समय-समय पर कभी नालियां साफ नहीं होती हैं। गर्मी आने वाली है। गंदगी से होने वाली बीमारियों का डर हम लोगों को सता रहा है। जिम्मेदार पार्षद का कोई सक्रिय रोल नहीं है। जानकारी देने के बाद भी कोई सुनवाई नहीं होती। नाली के पानी की निकासी भी ठीक ढ़ंग से नहीं है।

--राकेश राय, स्थानीय नागरिक।

भूमाफियाओं से खाली जमीन पर बनेंगे गरीबों के आशियाने

जबलपुर, यशभारत। जिला प्रशासन द्वारा भूमाफियाओं से खाली कराई गई सरकारी जमीन पर अब गरीबों के मकान बनेंगे। मकान बनाने का काम हाउसिंग बोर्ड सोसायटी करेगी। सबसे पहले तिलहरी स्थित राजीव नगर के सामने 400 मकान बनाने का प्रोजेक्ट तैयार किया गया है। इसके लिए प्रशासन ने करीब दो एकड़ जमीन भी मुहैया करा दी है। वहीं भूमाफियाओं से खाली कराई गई तिलहरी, करमेता, महाराजपुर और बनियाखेड़ा की जमीन के लिए हाउसिंग बोर्ड ने जिला प्रशासन को पत्र लिखा है।भूमाफियाओं द्वारा सरकारी जमीन पर अवैध कब्जे के खिलाफ जिला प्रशासन लगातार कार्रवाई कर रहा है। कार्रवाई में अब तक सैकड़ों एकड़ जमीन कब्जा मुक्त कराई जा चुकी हैं। खाली जमीन पर सरकार ने गरीबों के लिए मकान बनाने का निर्णय लिया है। मकान बनाने की जिम्मेदारी हाउसिंग बोर्ड सोसायटी को सौंपी गई है। हाउसिंग बोर्ड ने इसके लिए जिला प्रशासन को पत्र लिखा जिसके बाद तिलहरी स्थित राजीव नगर के सामने की करीब दो एकड़ जमीन हाउसिंग बोर्ड को सौंप दी गई है। इस जमीन की कीमत करीब 50 करोड़ रुपये है अब हाउसिंग बोर्ड इतनी ही राशि खर्च कर यहां मकान बनाने का प्रोजेक्ट तैयार कर रहा है।

400 मकान बनाये जाएंगे

हाउसिंग बोर्ड ने इस जमीन के लिए जो प्रोजेक्ट तैयार किया है उसके अनुसार यहां करीब 400 मकान बनाए जाने हैं। ये सभी मकान ईडब्ल्यूएस मकानों की तर्ज पर करीब 600 वर्गफीट में दो कमरे के होंगे जो गरीबों को 8 लाख रुपये में उपलब्ध कराए जाएंगे। मकान की जमीन का मालिकाना हक जिला प्रशासन का ही होगा। जिला प्रशासन करेगा आवंटित योजना के तहत हाउसिंग बोर्ड शहर में जहां भी भूमाफियाओं से खाली हुई जमीन पर मकान बनायेगा उनके लिए सिर्फ निर्माण एजेंसी रहेगा। मकानों को बनाने के बाद हाउसिंग बोर्ड उन्हें जिला प्रशासन को सौंप देगा। इसके बाद मकानों के आवंटन की जिम्मेदारी पूरी तरह जिला प्रशासन की होगी।

बन रहे और भी प्रोजेक्ट

गरीबों के लिए मकान बनाने हाउसिंग बोर्ड और भी प्रोजेक्ट तैयार कर रहा है। इसके लिए जमीन की मांग को लेकर उसने जिला प्रशासन को पत्र भी लिखा है। हाउसिंग बोर्ड ने प्रशासन से तिलहरी, बनियाखेड़ा, करमेता और महाराजपुर में और जमीन मांगी है। लेकिन हाउसिंग बोर्ड को जो जमीन चाहिए वह आवासीय या व्यवसायिक मद की ही चाहिए।

जितने की होगी जमीन उतने का प्रोजेक्ट

भूमाफियाओं से मुक्त जमीन का आंकलन जिला प्रशासन करेगा। वर्तमान कलेक्टर गाइड लाइन के आधार पर जमीन की जितनी भी कीमत आंकी जाएगी हाउसिंग बोर्ड को उतनी ही कीमत का प्रोजेक्ट तैयार करना होगा। यानी हाउसिंग बोर्ड मकान बनाने में जमीन की कीमत के बराबर राशि खर्च करेगा।

अभी बन रहे पीएम आवास

शहरी गरीबों के लिए फिलहाल पीएम आवास योजना के तहत मकान बनाए जा रहे हैं। इन मकानों का निर्माण नगर निगम कर रहा है। ये मकान तिलहरी, मोहनिया, अमखेरा और तेवर में बन रहे हैं। पीएम आवास के तहत करीब दो हजार मकान बनने हैं।

घमापुर में लूटकांड से हड़कंप : क्राइम ब्रांच ने दो नाबालिगों को हिरासत में लिया

स्टूडेंट को चाकू घोंपकर हो गए थे फरार, मुख्य सरगना फरार, तलाश जारी

जबलपुर, यशभारत। घमापुर थाना अंतर्गत जीआरपी कॉलोनी में लूटकांड का मामला सामने आया है। यहां आरक्षक मित्र से मिलने गए स्टूडेंट को बीच रास्ते रोककर आरोपियों ने जमकर मारपीट की और फिर उसकी बाइक लूटने लगे। पीड़ित के शोर मचाने पर आरोपी चाकू से स्टूडेंट को गोदकर फरार हो गए। जिसके बाद पुलिस और क्राइम ब्रांच की संयुक्त टीम ने दो नाबालिगों को हिरासत में लिया है। पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ जारी है। वहीं, मुख्य आरोपी फरार बताया जा रहा है, जिसकी तलाश जारी है।

जानकारी अनुसार पुलिस ने बताया कि सतना से जबलपुर अपने साथियों के साथ आया रामफल कुमार बाइक से अपने आरक्षक दोस्त से मिलने जीआरपी कॉलोनी आया था। जहां तीन युवकों ने उसको बीच रास्ते रोका और गालीगलौच करते हुए जमकर मारपीट कर दी। इतना ही नहीं आरोपियों ने उसकी बाइक को लूटने का प्रयास किया। लेकिन शोर मचाने पर आरोपियों ने रामफल के ऊपर चाकुओं से वार कर लहूलुहान कर दिया और फरार हो गए। जिसके बाद मुस्तैद पुलिस ने दो आरोपियों को दबोच लिया है जो नाबालिग है और घमापुर के स्थानीय निवासी है। प्रकरण में एक आरोपी फरार है, जिसकी सरगर्मी से तलाश की जा रही है। बताया जा रहा है कि मुख्य सरगना काफी समय से नाबालिकों से लूट कांड करवा रहा है। पुलिस गिरफ्त में आए किशोरों ने भी पूछताछ में इस बात की पुष्टि की है हालांकि पुलिस मुख्य सरगना को खोजने में लगी हुई। ऐसा कहा जा रहा है कि मुख्य सरगना पर कई तरह के अपराधिक प्रकरण दर्ज जिसके बारे में भी पुलिस पता लगा रही है। पुलिस मुख्य आरोपी की फोन लोकेशन के साथ उसके परिचितों के यहां दबिश दे रही है। पकड़े गए आरोपियों द्वारा जो ठिकाने बताए गए है वहां पर भी लगातार दबिश देकर मुख्य आरोपी को गिरफ्तार करने में जुटी हुई।

पमरे में तीनों मंडलों में मजदूर का प्रदर्शन 17 को

जबलपुर यशभारत। भारतीय रेल के संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वालें चौबीसों घंटों अनवरत कार्य करने वालें रनिंग स्टॉफ (लोको पायलट, ट्रेन मैनेजर) को रेल प्रशासन बेहतर सुविधा देने के बजाय उनका शोषण कर रहा है। वेस्ट सेंट्रल रेलवे मजदूर संघ के महामंत्री अशोक शर्मा एवं संयुक्त महामंत्री, संघ प्रवक्ता सतीश कुमार ने बताया कि एनएफआईआर के आह्वान पर रनिंग कर्मचारियों का प्रशासन द्वारा मानसिक प्रताड़ना देने व विपरीत परिस्थितियों में करवाए जा रहे कार्य के विरोध में वेस्ट सेंट्रल रेलवे मजदूर संघ द्वारा पश्चिम मध्य रेलवे के तीनों मंडलों कोटा, भोपाल एवं जबलपुर की प्रत्येक क्रू बुकिंग लॉबी के समक्ष 17 मार्च को सुबह 11 बजे से प्रचंड विरोध प्रदर्शन व धरना किया तो आगामी दिनों में आंदोलन का स्वरुप उग्र होता जाएगा।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आशीष शुक्ला द्वारा मां रेवा पब्लिकेशन एण्ड प्रिंटर्स जबलपुर, 68/1 लक्ष्मीपुर विवेकानंद वार्ड मुस्कान प्लाजा के पीछे MR-4 रोड उखरी जबलपुर से मुद्रित एवं जेडीए योजना क्रमांक 11 सेकेण्ड फेस, शताब्दीपुरम, विवेकानंद वार्ड, जबलपुर से प्रकाशित। सम्पादक श्याम कटारे*।
फोन (0761) 2643333। डाक पंजीयन क्रं. एसएसपी/ जबलपुर/26/2022-24 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी.एक्ट के तहत जिम्मेदार। RNI No. MPHIN/2007/18675. Email - jabalpur@yashbharat.com (न्यायालयीन क्षेत्राधिकार जबलपुर)